दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन | मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 155
मुरादाबाद
(Friday)
25 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सेवा संकल्प यात्राः प्रतिभागियों से प्रधानमंत्री मोदी ने की बातचीत, कहा- सेवा हमारा मुख्य मकसद होना चाहिए

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा संकल्प यात्रा के प्रतिभागियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। उन्होंने कहा कि सेवा ही मुख्य मकसद होना चाहिए और काम के जरिए सेवा का संदेश देना चाहिए। वड़नगर-वाराणसी यात्रा में 20 टीमें 35,500 किलोमीटर की दूरी तय करेंगी। बातचीत में युवाओं की भागीदारी का भी जिक्र हुआ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सेवा संकल्प यात्रा के प्रतिभागियों से बातचीत की। सेवा यात्री 10 समूहों में वड़नगर से वाराणसी तक साइकिल यात्रा

कर रहे हैं। इसके साथ ही बातचीत में झाबुआ जिले के एक गांव में 'मोदी फालिया' नाम रखे जाने और युवाओं के समर्थन का भी जिक्र हुआ।पुरानी कहावत का जिक्र कर क्या बोले पीएम? - प्रतिभागियों से बातचीत करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि एक पुरानी कहावत का जिक्र किया। उन्होंने कहा, एक पुरानी कहावत है कि जब कोई यात्रा से लौटता है और आप उन्हें प्रणाम करते हैं, तो उस यात्रा से मिले आध्यात्मिक पुण्य का आधा हिस्सा प्रणाम करने वाले व्यक्ति को मिल जाता है। इसलिए आज, इन सभी %सेवा यात्रियों% को नमन करके, मैं भी उस पुण्य का आधा हिस्सा ले रहा हूं।%सेवा हमारा मुख्य मकसद होना चाहिए%-पीएम मोदी ने हिस्सा लेने वालों से अपना ध्यान रखने को कहा और इस बात पर जोर दिया कि सेवा ही मुख्य मकसद होना चाहिए। उन्होंने कहा, %सेवा हमारा मुख्य मकसद होना चाहिए। हमें सिर्फ उपदेश देकर नहीं, बल्कि खुद सेवा करके सेवा का संदेश देना चाहिए। हम अपने कामों से सेवा का संदेश देंगे, सिर्फ बातों से नहीं।उन्होंने कहा कि हिस्सा लेने वालों का व्यवहार लोगों को यह दिखाना चाहिए कि चाहे कितनी भी राजनीतिक ताकत क्यों न मिल जाए, रास्ता सेवा का ही होना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, हमारा व्यवहार लोगों को यह दिखाना चाहिए कि चाहे हमें कितनी भी बड़ी राजनीतिक ताकत क्यों न मिले, हमारा रास्ता सेवा का ही रहता है।यात्रियों से पीएम मोदी ने क्या कहा? -पीएम मोदी ने कहा, %हम सेवा के इस रास्ते से कभी नहीं भटकेंगे। हम चाहे कितनी भी बड़ी ऊंचाइयां हासिल कर लें, हम हमेशा %सेवा परमो धर्म% (सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है) के सिद्धांत का पालन करते हुए आगे बढ़ेंगे।

कुल 35,500 किलोमीटर की दूरी 20 टीमें तय करेंगी, जिनका एक ही संकल्प होगा - सेवा। क्या है सेवा संकल्प यात्रा? - यह पीएम मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को उजागर करने वाले बड़े सेवा संकल्प अभियान का हिस्सा है। इसमें शामिल लोग कस्बों, जिलों, तालुकों और गांवों की यात्रा कर रहे हैं।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामुदायिक सेवा और लोगों की भागीदारी वाली गतिविधियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाना है।

बता दें कि 17 सितंबर से 7 अक्तूबर तक, ये टीमें वडनगर से वाराणसी और वाराणसी से वडनगर तक का सफर करेंगी। उन्होंने एक ऐसी यात्रा शुरू की है जो सिर्फ एक मोटरसाइकिल यात्रा से कहीं ज्यादा है। वे कस्बों, जिलों, तालुकों और गांवों से गुजरते हुए सेवा की भावना को जमीनी स्तर तक पहुंचा रहे हैं। यह पीएम मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को उजागर करने वाले बड़े सेवा संकल्प अभियान का हिस्सा है।

संक्षिप्त समाचार

ग्रेनो अग्निकांड, नौ जिंदा जलेः बस पर थे 1.75 लाख के 19 चालान; मानक से इतनी मिली ऊंची; कई चौंकाने वाले खुलासे

ग्रेटर नोएडा में हुए दर्दनाक हादसे में नया खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया है कि बस पर 1.75 लाख के 19 चालान थे। अधिकांश चालान ओवरस्पीड के थे। ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर आग लगने से नौ यात्रियों की मौत के बाद परिवहन विभाग ने बस की तकनीकी जांच की। जांच में बस की ऊंचाई निर्धारित मानक से अधिक पाई गई। बस की ऊंचाई 4.1 मीटर मिली, जबकि मानक के अनुसार बस की अधिकतम ऊंचाई 3.8 मीटर होनी चाहिए। यानी बस तय सीमा से करीब 30 सेंटीमीटर अधिक ऊंची थी। पुलिस का कहना है कि बस की तकनीकी स्थिति समेत अन्य बिंदुओं की भी जांच की जा रही है। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बस के दस्तावेज और उसके संचालन से जुड़े पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।बस पर 19 चालान, 1.75 लाख का जुर्माना-हादसे के बाद बस की फिटनेस और पूर्व में हुई यातायात कार्रवाई भी जांच के दायरे में आ गई है। जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश की राज कल्पना ट्रैवल्स की इस बस के खिलाफ अब तक 19 चालान हो चुके हैं। इन पर करीब 1.75 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया जा चुका है। पुलिस ने चालक पवन और परिचालक योगेश को गिरफ्तार कर लिया है।

सपा की रथ यात्राः रायबरेली में पीडीए रथ, अखिलेश बोले- हमारे रंग बढ़ रहे, इसीलिए भाजपा के रंग उड़ रहे

समाजवादी पार्टी ने यूपी चुनाव 2027 के लिए चुनावी बिगुल बजा दिया है। बृहस्पतिवार को समाजवादी रथ रायबरेली पहुंचा। जहां पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वहीं, उनके रायबरेली पहुंचने से पहले ही पोस्टर वॉर शुरू हो गया है।लखनऊ से शुरू हुई इस यात्रा को पार्टी के जमीनी संपर्क और संगठन को सक्रिय करने की कवायद के तौर पर देखा जा रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता एकत्रित हुए और रथ के साथ चले।अखिलेश यादव रायबरेली में पीडीए रथ यात्रा कर रहे हैं। इसे लेकर कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह नजर आ रहा है। इस बीच उन्होंने एक्स पर कहा कि हमारे रंग बढ़ रहे हैं, इसीलिए भाजपा के रंग उड़ रहे हैं।इसके पहले अखिलेश ने रथ यात्रा की तस्वीरें शेयर कर लिखा कि'पीडीए रथ' का है आग़ाज़ संग है 'पीडीए' की आवाज़ अब होने वाला है 'बदलाव' होगा यूपी फिर से खुशहाल।रायबरेली में अखिलेश यादव समाजवादी रथ पर सवार हैं। उनकी एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में सपा समर्थक और कार्यकर्ता सड़कों के किनारे खड़े हुए हैं। जहां-जहां से

अखिलेश यादव रथ पर सवार होकर निकलते हैं कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ जाता है।इसके पहले, रायबरेली की ओर जा रहे अखिलेश यादव का मोहनलालगंज में जोरदार स्वागत हुआ। वह कुछ देर के लिए मोहनलालगंज में रुके। कार्यकर्ताओं ने फूल-माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर उनका स्वागत किया। अखिलेश यादव ने भी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनका अभिवादन स्वीकार किया। इसके बाद रायबरेली के लिए रवाना हो गए। सपा मुखिया अखिलेश यादव की रथ यात्रा को लेकर सियासी हलचल तेज कर दी है। लखनऊ में अखिलेश के खिलाफ होर्डिंग्स लगाई गईं। सिकंदराबाद चौराहे पर लगाई गई होर्डिंग में गिरिगिटेश लिखा गया। उसी अनुरूप चित्र भी बनाया गया। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने देखा तो इसे फाड़कर विरोध जताया।

अखिलेश यादव के रायबरेली पहुंचने से पहले शहर में पोस्टर वार तेज हो गया है। शहर के विभिन्न स्थानों पर कई पोस्टर लगाए गए हैं। इन पोस्टरों के माध्यम से राजनीतिक संदेश दिए जा रहे हैं। एक पोस्टर में लाल टोपी, साइकिल... यही है गुंडों की पहचान लिखा गया है। यह पोस्टर समाजवादी पार्टी और उसके समर्थकों को निशाना बनाता है।

वहीं, दूसरे पोस्टर में योगी राज में कानून से गुंडई नहीं चलेगी का संदेश दिया गया है। यह पोस्टर वर्तमान सरकार की कानून व्यवस्था के पक्ष में है। अखिलेश यादव के आगमन से पूर्व यह पोस्टरबाजी राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा रही है। स्थानीय प्रशासन इस स्थिति पर नजर बनाए हुए है। यह घटना आगामी राजनीतिक गतिविधियों का संकेत देती है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की रायबरेली से शुरू हुई पीडीए रथयात्रा को लेकर प्रदेश सरकार के मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने बृहस्पतिवार को अकबरपुर स्थित सर्किट हाउस में तीखी टिप्पणी की। अखिलेश यादव के '27 विजय भव' पोस्टर पर निशाना साधते हुए राजभर ने कहा कि कुछ दिन बाद इसी रथ पर 'विजय भव' की जगह 'विनाश भव' लिखा जाएगा।

ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव रायबरेली में सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने जा रहे हैं। सपा नेताओं और पुलिस अधिकारी के बीच हुए विवाद का हवाला देते हुए अखिलेश के रायबरेली दौरे पर सवाल उठाए। अखिलेश यादव के रथ पर '27 विजय भव' पोस्टर में हनुमान जी के चित्र को लेकर भी राजभर ने तंज कसा। उन्होंने कहा कि हनुमान भगवान राम के भक्त हैं और अखिलेश यादव अब तक अयोध्या भगवान राम के दर्शन करने नहीं गए हैं। राम के दर्शन किए बिना हनुमान का आशीर्वाद कैसे मिलेगा।पीडीए रथ पर सवार हुए और कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। कहा जा रहा है कि इसके साथ ही सपा ने मिशन यूपी में फतेह के लिए शुरुआत कर दी।

आईआईटी बॉम्बे छात्र आत्महत्या मामलाः राहुल गांधी ने साहिल के परिजनों से की बात, न्याय के लिए दिया मदद का भरोसा

आईआईटी बॉम्बे छात्र साहिल वाकोडे की मौत के मामले में राहुल गांधी ने उसके परिवार से फोन पर बात कर समर्थन और हर संभव मदद का भरोसा दिया है। परिवार ने कुछ प्रोफेसरों और अधिकारियों पर जातिगत भेदभाव के गंभीर आरोप लगाए हैं। क्राइम ब्रांच मामले की जांच कर रही है। आईआईटी ने अपने शुरुआती बयान पर बाद में माफी भी मांगी। आखिर साहिल के परिवार ने किन लोगों पर कार्रवाई की मांग की? आइए, विस्तार से जानते हैं कि जांच फिलहाल कहां तक पहुंची?आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत का मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर पर भी चर्चा में है। महाराष्ट्र कांग्रेस के मुताबिक, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने साहिल के परिवार से फोन पर बात की और न्याय की मांग में हर संभव मदद का भरोसा दिया। साहिल के परिवार ने आईआईटी बॉम्बे प्रशासन और कुछ अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मामले की जांच मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच कर रही है और परिवार ने नामजद लोगों की गिरफ्तारी की मांग की है। राहुल गांधी ने साहिल के परिवार से क्या कहा?-महाराष्ट्र कांग्रेस के अनुसार, राहुल गांधी ने साहिल के परिवार से फोन पर बातचीत की। उन्होंने परिवार को न्याय की लड़ाई में समर्थन देने और हर संभव मदद का भरोसा दिया। साहिल के परिवार का कहना है कि उनके बेटे ने मौत से कुछ दिन पहले फोन पर जाति के आधार पर कथित भेदभाव और अपमान की शिकायत की थी। परिवार ने इसी आधार पर आईआईटी बॉम्बे के कुछ अधिकारियों और शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एसआईआर पर विवादः प्रियंका गांधी ने चुनाव आयोग पर उठाए सवाल, क्यों कहा ज्ञानेश कुमार पर दर्ज हो मुकदमा?

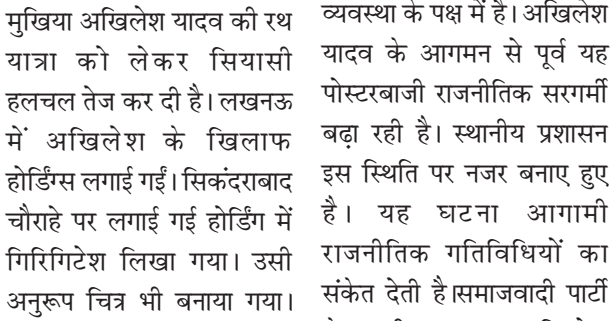

एसआईआर को लेकर विपक्ष का चुनाव आयोग पर हमला और तेज हो गया है। प्रियंका गांधी ने कहा कि अगर मतदाता सूची में अवैध काम हुआ और सीईसी को इसकी जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई तो क्या उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलना चाहिए? डीके शिवकुमार ने सीईसी के इस्तीफे और एसआईआर रद्द करने की मांग क्यों की? आखिर चुनाव आयोग के अंदर 14 आपत्तियों का विवाद क्या है? मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच विवाद लगातार तेज होता जा रहा है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को कहा कि अगर मतदाता सूची में किसी तरह की अवैध कार्रवाई हुई है तो इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर भी कहा कि अगर उनके सामने कोई अवैध काम हुआ, उन्हें इसकी जानकारी दी गई और फिर भी उसे नहीं रोका गया तो उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलना चाहिए। इसी मुद्दे पर कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे, एसआईआर रोकने और मतदाता सूची का नए सिरे से पुनरीक्षण कराने की मांग की है। प्रियंका गांधी ने केरल के कलपेट्टा में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से छेड़छाड़ करना देश और संविधान के खिलाफ गंभीर अपराध है। उन्होंने मतदाता सूची में कथित छेड़छाड़ और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर सवाल उठाया। उनका आरोप है कि अगर मुख्य चुनाव आयुक्त को अनियमितताओं की जानकारी थी और दूसरे चुनाव आयुक्तों ने भी उन्हें इस बारे में बताया था,

फिर भी कार्रवाई नहीं हुई तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अवैध कार्रवाई साबित होने की स्थिति में मुख्य चुनाव आयुक्त को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा कितनी उचित है। हालांकि ये प्रियंका गांधी के आरोप और मांगें हैं, इन्हें चुनाव आयोग की ओर से स्वीकार किया गया तथ्य नहीं माना जा सकता।इस विवाद की एक बड़ी वजह चुनाव आयोग के अंदर कथित मतभेदों को लेकर सामने आई रिपोर्ट है। रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में कम से कम 14 बार मतदाता सूची और एसआईआर से जुड़े फैसलों और आदेशों पर आपत्ति दर्ज की। इन आपत्तियों में नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाताओं के नाम हटाने और मतदाता सूची से जुड़े डिजिटल सिस्टम तक पहुंच जैसे मुद्दे शामिल बताए गए हैं। दोनों चुनाव आयुक्तों ने कुछ फैसलों को कथित तौर पर बिना उनकी जानकारी के लिए जाने पर सवाल उठाए। रिपोर्ट में फॉर्म-6 में किए गए बदलाव और मतदाता सूची के डाटा को ज्यादा केंद्रीकृत किए जाने को लेकर भी आपत्तियों का उल्लेख है। डीके शिवकुमार ने एसआईआर को लेकर क्या मांग रखी?-कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने भी इस मुद्दे पर चुनाव आयोग पर सवाल उठाए और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के तत्काल इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा कि एसआईआर की मौजूदा प्रक्रिया को खत्म किया जाना चाहिए और मतदाता डाटा का नए सिरे से पुनरीक्षण होना चाहिए। शिवकुमार ने कहा कि यह कांग्रेस या भाजपा के वोट का मामला नहीं है, बल्कि हर नागरिक के मतदान के अधिकार से जुड़ा विषय है। उन्होंने फॉर्म-6, 7 और 8 के इस्तेमाल और मौजूदा प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि इसका असर खास तौर पर अशिक्षित और वंचित वर्गों पर पड़ सकता है। उन्होंने पूरे मामले पर संसद जैसे बड़े मंच पर चर्चा और मतदाता डाटा की व्यापक समीक्षा की मांग भी की। चुनाव आयोग और विपक्ष के दावों में क्या अंतर है? चुनाव आयोग ने आंतरिक मतभेदों की रिपोर्ट के बाद कहा है कि बहु-सदस्यीय संवैधानिक संस्था में लिखित टिप्पणियां, सुझाव, तकनीकी सवाल और आंतरिक जांच सामान्य कामकाज का हिस्सा हैं। आयोग का कहना है कि उसके सभी आधिकारिक आदेश और फैसले कानूनी प्रक्रिया के तहत लिए गए हैं और उन्हें पूरा कानूनी आधार हासिल है। दूसरी ओर, विपक्षी दल एसआईआर और मतदाता सूची में बदलाव को लेकर लगातार सवाल उठा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी ने भी कहा कि जमीनी स्तर पर लोग चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने आयोग की सफाई को खारिज करते हुए डाटा में कथित हेरफेर और सीमा खन्ना की भूमिका पर भी सवाल उठाए। इस तरह एसआईआर का विवाद अब सिर्फ मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि चुनाव आयोग के अंदर निर्णय लेने की प्रक्रिया, मतदाता अधिकार और उसकी संस्थागत कार्यप्रणाली को लेकर भी राजनीतिक बहस तेज हो गई है।

संपादकीय Editorial

Can the UN Stop War?

The meetings of the 193 member states of the United Nations General Assembly are beginning. War, peace, and stability are on the General Assembly's core agenda. However, wars can only be calmed and ended if warring countries can reach dialogue and agreement. Currently, such prospects are not visible in either the Russia-Ukraine war or the Iran war. The UN's importance, its call for mediation, and its collective relevance have been fragmented and diminished, leading to wars escalating. Ordinary people are dying, forced into displacement, or facing starvation and refuge. During the General Assembly, meetings and dialogues between US President Trump and Ukraine's emergency President Zelensky, as well as President Trump and Chinese President Xi Jinping, are scheduled to take place at the White House. It is, at first, unlikely that Trump will be able to force Zelensky to stop the war. Trump even appealed to Zelensky over the phone to refrain from attacking Russian oil installations, power plants, and refineries. This will deepen the global crisis. Zelensky refused and launched more than 1,600 drones simultaneously, attacking energy installations in Moscow and surrounding areas. This was Ukraine's largest and most devastating attack on Russia. Although Russia claims its air defenses shot down 1,110 drones mid-air, the attacks by more than 450 drones proved devastating, devastating, and destructive. Nearly 40% of Russia's refining system has been destroyed. We have to buy petrol and diesel from India, even though Russia supplies the majority of India's crude oil. They seem unconcerned about US sanctions. President Trump has stated that this "stupid war" must stop, as more than 25,000 civilians and soldiers are dying every month. If the Russia-Ukraine war is "stupid," what kind of war is currently going on in Iran? Who forced that war? President Trump should not consider the rest of the world "stupid" and "ignorant." The horrifying statistics are that approximately 300,000-450,000 Russian soldiers have been killed in the four-and-a-half-year-long war. Some reports put the number of casualties and injuries at over one million. This amounts to a "humanitarian massacre." Independent and Western estimates suggest that 100,000-150,000 Ukrainian soldiers have been killed. President Zelensky has often placed these figures between 46,000 and 55,000. According to the Office of the United Nations High Commissioner for Human Rights, approximately 16,874 civilians were killed and over 51,000 injured in Ukraine from February 2022 to July 2026. In fact, Russia and Ukraine have never officially released data on military casualties, civilian casualties, and displaced persons, so only estimates from various organizations are valid. As a result of this most horrific, devastating, and destructive devastation, it's humanly possible to imagine how much Europe and Ukraine will shiver and shiver in the coming winter. The pipelines of Russia on one side and Saudi Arabia on the other are currently in a state of disrepair, unable to supply gas. Ukraine's capital, Kyiv, and major cities, including steel and power plants, are reported to have suffered 70-90% damage. Russia's extremely destructive and devastating attacks are ongoing. Both countries have launched missile and drone attacks against military warehouses, camps, supply stores, weapons depots, logistics centers, malls, and oil and gas installations, effectively destroying their very existence. How will the reconstruction of these countries be possible? Does President Zelenskyy want to prove himself the leader of a ruined nation? Russia is the largest country in the world. In the State Duma (equivalent to the Lok Sabha) elections.

Harmony is the RSS's priority.

The RSS chief's foreign tour was also significant for India's domestic politics, as he drew a line against religious fanaticism. Bhagwat emphasized pluralism and diversity in the US, Canada, and Britain. He said, "There should be no Muslims; anyone who thinks so is not a true Hindu." This was a clear message to the Sangh Parivar and the BJP against religious fanaticism. The views expressed by Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS) Sarsanghchalak Dr. Mohan Bhagwat during his recent visit to the US, Canada, and Britain came as a surprise not only to the RSS's harshest critics but also to conservatives active within the RSS's larger organizations. The RSS's opponents must have been stunned to hear the Sarsanghchalak's extolling the importance of pluralism and diversity at Madison Square Garden in New York and other events.

As the Sangh celebrates its centenary, those who have capitalized on the toxic narratives of fundamentalists and pseudo-secularists must have been shocked to hear Bhagwat describe equality, fraternity, and pluralism as the fundamental foundations of democratic life. Even more remarkable was his declaration of diversity as the soul of Hindu thought and his underlining that India possesses all the qualities of a liberal democracy precisely because these values ??stem from its civilizational roots.

During this period, his widely discussed statement, "Anyone who believes there should be no Muslims in India cannot be a true Hindu." His definition of a "true Hindu" should serve as a comprehensive cautionary message for the entire Sangh Parivar. It should also serve as a warning, especially to some of its affiliate organizations and other fundamentalists, who often escalate conflicts by engaging with Muslim and Christian minorities. This statement could also be considered an indirect message and wise advice for a political organization like the BJP, as despite holding power at the center and in several states, many of its leaders do not refrain from making offensive comments against followers of other faiths. Bhagwat's comment is essentially an advocacy for peaceful coexistence. If his ideas are assimilated and implemented, it will greatly strengthen the sense of social harmony.

At the international religious conference held in New York, Bhagwat participated in, a five-point action plan and resolution were also agreed upon. This resolution strongly opposed concepts such as "the use of religion to justify hatred, violence, or dehumanization." This stance is in line with India's constitutional mandate, which places religion above constitutional and human values ??and clearly opposes the promotion of hatred or violence against followers of other faiths. Bhagwat's address at this event, which was aimed at promoting universal unity, also focused on these points. This event also saw a gathering of some well-known activists. These activists included fundamentalists, Christian missionaries, pseudo-secularists, and leftist groups, who were vociferously protesting against the RSS and alleged human rights violations in India. They held posters and placards and chanted slogans. Their propaganda and opposition, fueled by decades of fabricated lies against the world's largest NGO, were completely hollow and ineffective in the context of the concrete views expressed by the RSS chief in the auditorium. Moreover, their rant was primarily directed against India, the world's largest and most vibrant democracy. Their venomous spewing makes one wonder if they even have a basic understanding of Hindu society and the RSS.The RSS chief's address to that massive gathering in Madison Square Garden must have been nothing less than a stinging ideological slap on the face of New York Mayor Zohran Mamdani. Mamdani had been a vocal opponent of the event, calling the RSS's ideology "divisive." His critics also sharply criticized his supposed secular hypocrisy, double standards, and open bias against Hindu organizations. In the eyes of critics, Mamdani has emerged as someone who constantly fuels anti-Hindu sentiments.During his visits to Canada and Britain, Bhagwat also strongly advocated the values ??of tolerance and harmony among different religions and races. Addressing the "Hindu Vishwa Bandhu" program in Toronto, organized on the fundamental principle of "Vasudhaiva Kutumbakam," he underlined that Hinduism is a living example of "unity in diversity." It cannot be limited to a single language, a single lifestyle, or a single method of worship, and this is why its followers display deep tolerance for a pluralistic society. He also noted the innate tendency of Indians to embrace persecuted communities around the world with open hearts. This is also one reason why India has been a safe haven for persecuted communities over the centuries. In Britain, he emphasized unity, coexistence, and a "live and let live" approach to resolving global tensions. He described the current young generation as a group poised to become the driving force for positive change. Overall, Bhagwat's visit to the US, Canada, and Britain can be considered a major success in his efforts to introduce the world to the core values ??of the Rashtriya Swayamsevak Sangh. It was also significant in the context of India's domestic politics, as he launched a campaign against religious fanaticism. He drew a strict Lakshman Rekha. Bhagwat has also emerged as a strong advocate of social harmony. Now it remains to be seen whether the Sangh Parivar and the BJP will take his advice seriously and take the necessary steps to implement the necessary reforms.

India's Security Shield Strengthens

The Bharatiya Jana Sangh, in its 1964 Patna session, passed a resolution demanding that India make every effort to develop a nuclear bomb. The document, "Principles and Policies," also addressed the development of nuclear weapons. The defense budget has tripled, and indigenous production has jumped 174%.

India now exports defense products to more than 80 countries. The appointment of a CDS, and the purchase of modern weapons like the Rafale, are among the key milestones. To mark the completion of 12 years in office of Prime Minister Narendra Modi's government, the BJP is launching the "Sankalp Se Siddhi" (Resolve to Achieve Success) campaign. Many institutions and prominent figures in India and around the world have praised its success. The government's achievements in the defense sector are also historic. Chanakya Niti states that "Shastra Rakshite Rashtrate Shastra Chinta Pravartate" (The scriptures are considered sacred only when the nation is secure in all respects). No matter how noble a principle, its success depends on the strength of those who follow it. For this reason, scholars have declared power as the foundation of peace. National poet Ramdhari Singh Dinkar propounds this principle in his poem, "Forgiveness befits the cobra that possesses poison."

The Bharatiya Jana Sangh, in its 1964 Patna convention, passed a resolution demanding that India make every effort to develop a nuclear bomb. The document, "Principles and Policies," also discussed the development of nuclear weapons. The resolution stated that all our revered deities wield weapons for the establishment of religion. Therefore, Mother India should also possess a nuclear bomb. Following this policy, the NDA government led by Atal Bihari Vajpayee enhanced India's global prestige by conducting the Pokhran nuclear tests in 1999. After the formation of the Modi government in 2014, the country adopted a policy designed to safeguard its interests. The zero-tolerance policy against terrorism is an example of this.

The defense budget, which was ?2.53 lakh crore in the 2013-14 fiscal year, has now more than tripled to ?6.81 lakh crore for the year 2025-26. At the individual soldier level, soldiers are now being provided with indigenously manufactured high-quality bulletproof jackets, advanced helmets, new battle dress uniforms, night vision devices, and thermal imagers. Following the Modi government's arrival, the decision to appoint a CDS for military coordination was implemented. We witnessed the role of this decision in the coordination of the three services during Operation Sindoor. We have also seen the expedited resolution of long-pending weapons procurement decisions. The purchase of the Rafale fighter jet from France is a result of this process. With the availability of S-400, Sukhoi-30, drones from Israel, Hammer missiles, Chinook helicopters, LUH Prachand (Light Combat Helicopter), Tejas fighter jets (a fully indigenous aircraft), Pinaka rocket system (multi-barrel rocket launcher), Varunastra (anti-submarine missile), etc., the Indian Army has come to be recognized as one of the best armies in the world.

In the last 11 years of successful development, we have not only stopped purchasing weapons from abroad, but have also recognized the mantra of self-reliance. We are now also manufacturing advanced and modern indigenous weapons in India. The indigenous aircraft carrier INS Vikrant is being built, the Akash air defense system, Rustom UAV drones are being manufactured by DRDO in Lucknow, and the BrahMos supersonic cruise missile with Russia, and we are going to manufacture the core components of the Rafale in Hyderabad. Defense production has increased by 174 percent in the last 10 years. Defense production increased from ?46,529 crore in 2014-15 to ?1,27,265 crore in 2023-24. Due to the policy of self-reliance in the defense sector, we have become a selling, exporting, rather than a buying, i.e., importing nation. Today, we export defense products to more than 80 countries. The success of our indigenous weapons in Operation Sindoor has increased global demand for our weapons. The Modi government's resolve to free the country from Maoism has instilled confidence in the government among ordinary citizens.

समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण शिकायत निस्तारण के साथ जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन रहेगा प्राथमिकता : जिलाधिकारी

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपनी प्राथमिकताओं एवं जनपद में विकास कार्यों को गति देने की कार्ययोजना के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निस्तारण उनकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। जनसामान्य को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता और पारदर्शिता के साथ उपलब्ध कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा के अनुरूप जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यक्रमों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ प्रभावी ढंग से लागू कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी की दिशा में संचालित योजना को और बेहतर ढंग से लागू कराया जाएगा, ताकि विद्यार्थियों एवं युवाओं को अध्ययन के लिए बेहतर संसाधन उपलब्ध हो सकें और जनपद के शिक्षा स्तर में निरंतर सुधार हो। साथ ही किसानों की विभिन्न समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

आईजीआरएस एवं जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में समयबद्धता के साथ-साथ गुणवत्ता का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

आगामी धान खरीद प्रक्रिया को भी पूरी पारदर्शिता, सुचारु व्यवस्था एवं प्रभावी निगरानी के साथ संपन्न कराया जाएगा, ताकि किसानों को अपनी उपज के विक्रय में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के उपरांत जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने कलेक्ट्रेट परिसर का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परिसर में विभिन्न पटलों के कार्यों के संबंध में अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट परिसर की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने एवं आमजन को सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने पर भी विशेष जोर दिया।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) श्रीमती संगीता गौतम, अपर जिलाधिकारी (नगर) श्री अंकुर श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) श्रीमती ममता मालवीय सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।चिकित्सकों की अनुपस्थिति पर सीएमओ की सख्ती, 8 चिकित्सकों का एक दिन का वेतन रोका गया।

तीन दिवस में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश, भविष्य में पुनरावृत्ति न होने की दी गई चेतावनी जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने तथा चिकित्सकों की तैनाती स्थल पर समयबद्ध एवं नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह द्वारा 22 सितम्बर 2026 को जनपद में कार्यरत चिकित्साधिकारियों की उपस्थिति का निरीक्षण किया गया। इस दौरान संबंधित चिकित्सकों के मोबाइल नंबर पर वीडियो कॉल के माध्यम से उनकी उपस्थिति की जानकारी ली गई। वीडियो कॉल के माध्यम से की गई जांच में कुल 08 चिकित्सक अपने निर्धारित कार्यस्थल पर अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित पाए गए चिकित्सकों में डॉ. नेहा सिंह, एपीएचसी रतनपुरकलां, डॉ. संजीव कुमार, पीएचसी जाँगीरपुर, डॉ. आशीष कुमार सिंह, पीएचसी सिहालीखद्दर व डिलारी, डॉ. भारती, एपीएचसी रतनपुरकलां, डॉ. देवेश प्रताप सिंह, पीएचसी उमरीकलां, कांठ, डॉ. नितिन आनंद पंत, पीएचसी बुढ़हानपुर, भोजपुर, डॉ. सुनील हरिऔध, पीएचसी भगतपुर टांडा, भोजपुर तथा डॉ. रेखा सागर, पीएचसी देवीपुरा, भोजपुर शामिल हैं।

मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा अनुपस्थित पाए गए सभी चिकित्सकों के दिनांक 22 सितम्बर 2026 के एक दिवस के वेतन को तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेशों तक बाधित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही संबंधित चिकित्सकों को इस दिवस में अपने-अपने चिकित्सा इकाई पर उपस्थित न रहने का कारण स्पष्ट करते हुए तीन दिवस के भीतर अपने-अपने नोडल अधिकारी के माध्यम से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद की स्वास्थ्य इकाइयों में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की समयबद्ध उपस्थिति स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मरीजों को बेहतर एवं सुगम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सभी चिकित्सकों की अपने निर्धारित कार्यस्थल पर नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारियों को भी प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए गये हैं।

संक्षिप्त समाचार

सांडों की लड़ाई की चपेट में आए बाइक सवार की मौत, परिवार में मचा कोहराम

काम से लौट रहे बाइक सवार को लड़ते सांडों ने मारी टक्कर, दर्दनाक हादसे में अनिल शर्मा की मौत- रामपुर के शाहबाद में सड़क पर लड़ रहे दो सांडों की चपेट में आने से अनिल शर्मा की दर्दनाक मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के गलपुरा गांव निवासी अनिल शर्मा की सड़क पर लड़ रहे दो सांडों की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसा बुधवार देर शाम शाहबाद में पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के पास हुआ। अनिल शर्मा काम निपटाकर बाइक से अपने घर लौट रहे थे।बताया गया कि अनिल शर्मा जैसे ही पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस के पास पहुंचे, सड़क पर दो सांड आपस में लड़ रहे थे। इसी दौरान सांडों ने बाइक सवार अनिल शर्मा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसा होते ही राहगीरों और आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। लोगों ने घायल अनिल शर्मा को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहबाद पहुंचाया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन बेहतर उपचार के लिए अनिल शर्मा को मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन देर रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजन शव को लेकर शाहबाद पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। घटना की जानकारी मिलने पर गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई।

विदेशों तक पहुंचेंगे संभल के मैंथा व फ्रोजन खाद्य उत्पाद

ग्रेटर नोएडा में होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में संभल के मैंथा और फ्रोजन खाद्य उत्पादों की चमक दिखेगी। इससे उत्पादों को वैश्विक बाजार मिलेगा। संभल की पहचान अब केवल स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं रहने वाली है। जिले में तैयार होने वाले मेंथॉल, एसेंशियल ऑयल, हर्बल एक्सट्रैक्ट और फ्रोजन खाद्य उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की तैयारी है। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 में संभल से जुड़ी कंपनियां उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी।

कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग की पहल पर श्री बालाजी अरोमेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड प्राकृतिक और अरोमैटिक उत्पादों की लंबी श्रृंखला प्रदर्शित करेगी। कंपनी की ओर से फार्मा ग्रेड मैंथाल क्रिस्टल को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। कंपनी के अनुसार यह उत्पाद आईपी, ईपी, बीपी, जेपी और यूएसपी जैसे प्रमुख फार्माकोपियल मानकों के अनुरूप उपलब्ध है। इसके अलावा प्राकृतिक एसेंशियल ऑयल्स, स्पाइस ओलियोरेजिन्स और हर्बल एक्सट्रैक्ट्स भी खरीदारों के सामने रखे जाएंगे। दूसरी ओर नेचुरा ग्रीन फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड फ्रोजन खाद्य उत्पादों के जरिए संभल की खाद्य प्रसंस्करण क्षमता को दुनिया के सामने रखेगी। कंपनी की उत्पाद श्रृंखला में फ्रोजन हरी मटर, मिक्स वेज, स्वीट कॉर्न, ओकरा, फ्रेंच बींस, फूलगोभी और कैरट डाइस शामिल हैं। कंपनी के उत्पाद पहले से खाड़ी देशों, कनाडा, यूरोप और सिंगापुर जैसे बाजारों में पहुंच रहे हैं। ट्रेड शो में नए खरीदारों से संपर्क कर कारोबार के विस्तार की संभावनाएं तलाशने पर जोर रहेगा। अवनीश कुमार सिंह, निरीक्षक कृषि विपणन एवं कृषि विदेश व्यापार विभाग ने बताया कि संभल में मेंथा और बासमती चावल निर्यात की दृष्टि से महत्वपूर्ण उत्पाद हैं। पिछले वर्ष बहजोई की दौलत राइस एंड एग्रो प्रोडक्ट्स ने ट्रेड शो में बासमती उत्पाद का प्रदर्शन किया था। अब आलू समेत अन्य कृषि उत्पादों को भी निर्यात बाजार से जोड़ने की तैयारी है। इसके लिए किसानों और एफपीओ के पास निर्यात के लिए उपलब्ध उत्पाद और मात्रा के अनुसार उनके नाम प्रदर्शित किए जाएंगे, ताकि संभावित खरीदारों को स्थानीय उत्पादों की उपलब्धता की जानकारी मिल सके।एक मंच पर खेती, खुशबू और खाद्य कारोबार-इस बार ट्रेड शो में संभल की तस्वीर कुछ अलग नजर आएगी। दूसरी तरफ उन्हीं उत्पादों से तैयार खाद्य सामग्री और प्राकृतिक-अरोमैटिक उत्पादों की झलक होगी। ट्रेड शो में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के साथ घरेलू खरीदारों की भी भागीदारी होगी।

सहकारिता से समृद्धि के दृष्टिकोण को जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर जोर

एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त एवं जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह चौहान की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित।

प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को गति प्रदान करने तथा 'सहकारिता से समृद्धि' के दृष्टिकोण को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से पंचायत भवन सभागार में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त एवं जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह चौहान ने की। कार्यक्रम में सहकारी समितियों की उत्पादकता एवं लाभप्रदता बढ़ाने के साथ ही सहकारिता विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने तथा उनकी जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान लखनऊ से प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री द्वारा कृषक समृद्धि योजना के शुभारंभ एवं भारत टैक्सी योजना के उद्घाटन कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। छोटे एवं सीमांत किसानों को 6 लाख रुपये तक ऋण की सुविधा- कार्यक्रम में बताया गया कि कृषक समृद्धि योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड के माध्यम से छोटे एवं सीमांत किसानों को 6 लाख रुपये तक का ऋण 6 प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाएगा। योजना का उद्देश्य किसानों को कृषि एवं संबंधित गतिविधियों के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता उपलब्ध कराते हुए उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है। भारत टैक्सी योजना से व्यापार एवं यातायात को मिलेगा प्रोत्साहन- सहकारिता क्षेत्र के अंतर्गत भारत टैक्सी योजना का भी शुभारंभ किया गया। इसके माध्यम से आमजन को व्यापार एवं यातायात की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। योजना के अंतर्गत वाहन चालक अर्थात 'साथी' को किसी कंपनी को कमीशन के रूप में कोई धनराशि भुगतान नहीं करनी होगी। इससे चालकों को अपनी आय के बेहतर अवसर प्राप्त होने के साथ ही आमजन को परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने में सहयोग मिलेगा। बी-पैक्स को बनाया जा रहा बहुउद्देशीय एवं स्वावलंबी-कार्यक्रम में बताया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा बी-पैक्स (बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों) को स्वावलंबी एवं अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उन्हें बहुउद्देशीय स्वरूप प्रदान किया गया है। अब बी-पैक्स विभिन्न प्रकार के व्यापारिक एवं जनोपयोगी कार्य कर सकेंगी, जिससे समितियों की आय में वृद्धि के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को स्थानीय स्तर पर विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

किसानों को समय से खाद एवं बीज उपलब्ध कराने तथा बी-पैक्स को अधिक लाभप्रद बनाने के उद्देश्य से सभी बी-पैक्स की पूर्व निर्धारित 10 लाख रुपये की ब्याजमुक्त ऋण सीमा को बढ़ाकर 15 लाख रुपये कर दिया गया है। इससे समितियां 15 लाख रुपये तक की खाद एवं बीज की व्यवस्था कर सकेंगी और किसानों को समय से कृषि निवेश उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। साथ ही, इस ऋण पर समितियों को ब्याज का भुगतान नहीं करना पड़ेगा।

कार्यक्रम में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत बनाने, समितियों की कार्यप्रणाली में सुधार लाने, किसानों को समयबद्ध सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा शासन की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई।

इस अवसर पर जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष चौधरी विजयभान सिंह, उत्तर प्रदेश भूमि विकास बैंक के प्रतिनिधि श्री राम किशोर लोधी एवं श्री जितेन्द्र सिंह, ब्लॉक प्रमुख मुरादाबाद श्री मनीष सिंह, ब्लॉक प्रमुख भगतपुर श्री संतोष सिंह, ब्लॉक प्रमुख मूंढापांडे श्री नवदीप यादव, संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक सहकारिता मुरादाबाद मंडल श्री वीर विक्रम सिंह, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता मुरादाबाद श्री अमरेन्द्र कुमार सिंह तथा जिला सहकारी बैंक के सचिव/मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री प्रेम सिंह सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं सहकारिता क्षेत्र से जुड़े लोग उपस्थित रहे।

दरोगा, सिपाही और सीआरपीएफ जवानों ने की सामूहिक हैवानियत, विधायक के फॉर्म हाउस में दरिंदगी की पूरी कहानी

अमरोहा के हसनपुर में उत्तराखंड के विधायक के फार्म हाउस पर हरियाणा की युवती से सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। हसनपुर कोतवाली का दरोगा व अमरोहा पुलिस लाइन में तैनात सिपाही और असम में सीआरपीएफ की 156 वीं बटालियन में इंस्पेक्टर और पांचवीं बटालियन दिल्ली के हेड कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया है।महिला सुरक्षा के चौतरफा प्रयासों में जिस वर्दी की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है उसे पहनने वाले ही नारी सम्मान के भक्षक बन गए। पुलिस और सीआरपीएफ में जिम्मेदारी भरे ओहदे संभालने वाले चार सरकारी मुलाजिमों ने न सिर्फ एक युवती की इज्जत तार-तार की बल्कि दुस्साहस इतना कि वारदात को अंजाम देने से पहले उसे लेकर यूपी के अमरोहा जिले की हसनपुर कोतवाली के गेट तक पहुंच गए।वर्दीधारियों के बहशीपन की शिकार युवती ने जब आपबीती बताई तो सुनने वाले पुलिसकर्मी भी सन्न रह गए। युवती ने पुलिस को बताया कि सोनीपत से सीआरपीएफ हेड कांस्टेबल मोहित उसे मनौना धाम ले जाने का झांसा देकर कार में साथ लाया था।मेरठ से कार में सीआरपीएफ इंस्पेक्टर लालाराम भी सवार हो गया। इसके बाद वे कार लेकर हसनपुर कोतवाली पहुंचे, जहां गेट पर मौजूद कोतवाली में तैनात दरोगा संजय तोमर भी कार में बैठ गया।युवती की इस जानकारी ने पुलिस अफसरों को भी चौंका दिया कि दुष्कर्म जैसी वारदात की साजिश रचने वाले पुलिस और अर्धसैनिक बल के कर्मचारी थाने तक पहुंचने में नहीं झिझके।यही नहीं इस बात ने भी हर किसी को हैरान किया है कि आरोपी दरोगा संजय तोमर का अगले साल ही रिटायरमेंट है। सेवानिवृत्ति से सालभर पहले खुद पर ऐसा दाग लगा बैठे जो आसानी से नहीं धुलेगा।एसपी लखन सिंह यादव ने कहा कि महिला अपराध के मामलों में पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति है। इसीलिए हसनपुर प्रकरण में चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश करने और जेल भेजने की तैयारी है।आरोपी दरोगा और हेड कांस्टेबल के खिलाफ निलंबन के साथ विभागीय जांच व अन्य कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सीआरपीएफ के दोनों कर्मचारियों के मामले में भी संबंधित अधिकारियों (सीआरपीएफ मुख्यालय) को रिपोर्ट भेजी जा रही है।पुलिस बोली, पूर्व परिचित हैं सभी- एसपी लखन सिंह यादव के अनुसार, शुरुआती जांच में पीड़िता और आरोपी मोहित और लालाराम के पूर्व से एक-दूसरे के परिचित होने की बात सामने आई है। पीड़िता की मुलाकात सीआरपीएफ दिल्ली में तैनात हेड कांस्टेबल मोहित से सोनीपत में हुई थी।मंगलवार को पीड़िता, मोहित और असम में तैनात सीआरपीएफ इंस्पेक्टर लालाराम के साथ हसनपुर पहुंची थी। यहां मोहित ने हसनपुर थाने में तैनात दरोगा संजय तोमर से मुलाकात की, जिसके बाद सभी झूलपुरी स्थित फार्महाउस पहुंचे और दो कमरे किराये पर लिए। पीड़िता के आरोपों के आधार पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है।मनोना धाम ले जाने का झांसा देकर युवती को सोनीपत से लाया था आरोपी मोहित-पुलिस की जांच में सामने आया है कि आरोपी सीआरपीएफ जवान मोहित पीड़िता को बहला-फुसलाकर अपने साथ लाया था। उसने पीड़िता को सोनीपत में मिलने के बाद प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मनोना धाम घुमाने का झांसा दिया था।पीड़िता उसकी कार में सवार हो गई लेकिन आरोपी उसे मनोना धाम ले जाने के बजाय सीधे मेरठ होते हुए अमरोहा के हसनपुर ले आया और फार्म हाउस में ठहराकर वारदात को अंजाम दिया। एसपी बोले, आरोप सिद्ध होने पर बर्खास्त होंगे दोनों पुलिसकर्मी अमरोहा के एसपी लखन सिंह यादव ने कहा है कि आरोपी भले पुलिस और अर्ध सैनिक बल के जवान हैं लेकिन मामले की जांच से लेकर जरूरी कार्रवाई तक पूरी सख्ती बरती जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डीएम की दरियादिली : चोरी हो गई थी साइकिल, बरेली डीएम ने ITI छात्रा को तुरंत दिलाई नई सवारी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। राजकीय अनुसूचित जाति छात्रावास में रहकर ढुञ्ढ कर रही निर्धन छात्रा नीतू की साइकिल कुछ दिन पूर्व परिसर से चोरी हो गई थी। लाइब्रेरी और संस्थान तक आने-जाने का एकमात्र साधन छिन जाने से उसे रोजाना कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा था, जिससे उसकी पढ़ाई प्रभावित हो रही थी।परेशान छात्रा ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी अविनाश सिंह को अपनी समस्या बताई। डीएम ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल अधिकारियों को निर्देश दिए और कुछ ही देर में छात्रा को नई साइकिल भेंट करवा दी।नई साइकिल पाकर भावुक छात्रा ने डीएम का आभार जताया। डीएम अविनाश सिंह ने कहा कि संसाधनों की कमी से किसी भी जरूरतमंद बच्चे की शिक्षा बाधित नहीं होनी चाहिए। प्रशासन की इस त्वरित पहल की हर तरफ सराहना हो रही है।

149 मृतकों को जारी हो रही थी किसान सम्मान निधि! ,फॉर्मर रजिस्ट्री से खुली पोल तो 12.90 लाख सरेंडर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में बड़ा झोल सामने आया है। करीब 149 किसानों की मौत के बाद भी उनके बैंक खातों में किसान सम्मान निधि जाती रही। फॉर्मर रजिस्ट्री से इसका खुलासा हुआ तो कृषि विभाग में खलबली मच गई। कार्रवाई के डर से मृतक किसानों के परिवार भी बेचैन हो उठे। आखिर में डर के कारण मृतक किसानों के परिजनों ने करीब 12.90 लाख रुपये सरेंडर किए हैं। इस वक्त पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत लाभार्थियों के सत्यापन का काम चल रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, जिले में 5.45 लाख किसान लाभर्थी हैं। इसमें 2.95 लाख किसानों को 23वीं किस्त मिली थी। करीब 1,96,188 किसानों की निधि को लेकर विभिन्न खामिया हैं, जिन्हें दूर करने के बाद निधि जारी की गई थी।इस दौश्रान जांच में पता चला कि जिले में 149 किसान और ऐसे भी है, जिनकी मौत हो चुकी है, लेकिन निधि अभी भी जारी हो रही है।

जांच में पुष्टि के बाद कृषि विभाग ने मृतक किसानों के परिजनों इस संबंध में पूछताछ की। बताते हैं कि कार्रवाई के डर से सभी परिवारों ने रकम वापस कर दी है। वहीं, यह प्रकरण सामने आने के बाद कृषि विभाग अब और गहनता के साथ इसकी जांच में जुट गया है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किसी मृतक किसान के बैंक खातें में कोई रकम तो नहीं जा रही है। उप कृषि निदेशक ओपी मिश्र ने बताया कि 149 मृत किसानों के परिजनों से करीब 12.90 लाख रुपये सरेंडर कराए जा चुके हैं। दस्तावेजों की जांच के बाद इनसे रकम की वसूली की जा रही है। कुछ परिवारों में एक से अधिक सदस्यों के योजना का लाभ लेने की शिकायतें मिली हैं। तहसील स्तर पर गहन सत्यापन जारी है और रिपोर्ट के आधार पर अपात्रों व धांधली करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ग्राम जगन्नाथपुर के किसान कंचनलाल ने, फसल चक्र और आधुनिक तकनीक अपनाकर पेश की नजीर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आंवला तहसील के ग्राम जगन्नाथपुर निवासी किसान कंचनलाल (पुत्र जागनलाल) आधुनिक खेती से बेहतर मुनाफा कमा रहे हैं।कंचनलाल बताते हैं कि पीएम किसान सम्मान निधि की नियमित किस्तों ने बुवाई के समय खाद-बीज का संकट खत्म कर दिया। इसके अलावा, रामनगर ब्लॉक के कृषि अधिकारियों की सलाह पर उन्होंने फसल चक्र और उन्नत किस्म के बीज अपनाए, जिससे पैदावार में भारी सुधार हुआ। ?खेती को सबसे बड़ा सहारा कृषि यंत्रीकरण योजना से मिला, जिसके तहत उन्हें सब्सिडी पर रोटावेटर प्राप्त हुआ। इससे खेत की जुताई में लगने वाला डीजल, समय और मजदूरी की भारी बचत हुई और लागत घट गई। कंचनलाल ने परिवार की आय बढ़ाने में मददगार बनी इन योजनाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया।

अग्रसेन कॉलेज में छात्रों ने उठायी नशा मुक्ति की आवाज, ब्रश और कलम से दिया कड़ा संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / ?बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के 57वें स्थापना दिवस पर 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत पोस्टर व स्लोगन लेखन प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें विभिन्न विभागों के 50 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. सौरभ अग्रवाल ने किया। उन्होंने छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों से समाज को जागरूक करने का आह्वान किया, वहीं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूजा अग्रवाल के निर्देशन में सभी ने देश को नशा मुक्त रखने का संकल्प लिया।

प्रतियोगिता के विजेता-स्लोगन लेखन- योगिता सिंह (प्रथम), नंदिनी कुमारी (द्वितीय), उमरा फातिमा एवं समा बी (संयुक्त रूप से तृतीय)। पोस्टर मेकिंग- सौम्या पटेल (प्रथम), मो. याषा (द्वितीय), ताजुद्दीन (तृतीय)।?निर्णायक मंडल में डॉ. नीतू शर्मा, डॉ. रेशू जौहरी एवं डॉ. गुंजन अग्रवाल शामिल रहीं। अंत में विजेताओं को पुरस्कृत करते हुए छात्रों को विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2027 में सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया।

फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर बरेली पुलिस की छवि धूमिल करने वाले को , साइबर टीम ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। सोशल मीडिया पर फर्जी पहचान बनाकर एक महिला के खिलाफ अश्लील व अमर्यादित टिप्पणी करने और बरेली पुलिस की छवि को धूमिल करने वाले शातिर युवक को साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने अयोध्या में सड़क हादसे में दिवंगत हुए उप-निरीक्षक (दरोगा) की वर्दी वाली फोटो लगाकर दीपक जाट नाम से फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाई थी। पकड़े गए आरोपी की पहचान बिजनौर निवासी दीपक कौशिक के रूप में हुई है, जो वर्तमान में मीरगंज स्थित एक शुगर मिल में बतौर कैमिकल एनालिसिस अधिकारी कार्यरत था। पुलिस ने उसे झुमका चौराहे से धर दबोचा।

क्या था पूरा मामला-विगत दिनों इंस्टाग्राम पर पुलिस की वर्दी पहने एक दारोगा की डीपी लगाकर दीपक जाट नाम की आईडी से नेहा भारती नामक महिला पर अत्यंत आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। पोस्ट में नियुक्ति बरेली दर्शाई गई थी, जिसके कारण सोशल मीडिया पर लोग बरेली पुलिस को लेकर अभद्र और छवि खराब करने वाले कमेंट करने लगे थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कुतुबखाना चौकी प्रभारी उ0नि0 अनूप सिंह की तहरीर पर थाना कोतवाली में अज्ञात के खिलाफ आईटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद एसएसपी के निर्देश पर केस की जांच साइबर क्राइम थाने को सौंपी गई। शहीद दारोगा की फोटो का किया था इस्तेमाल-साइबर सेल द्वारा इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ। आरोपी ने जिस फोटो का इस्तेमाल किया था, वह मिर्जापुर निवासी दिवंगत उप-निरीक्षक आकाश यादव की थी, जिनकी कुछ माह पूर्व अयोध्या में रात्रि गश्त के दौरान सड़क हादसे में मौत हो गई थी। आरोपी ने सोचा था कि पुलिस वर्दी वाली डीपी लगाकर कमेंट करने से वह पकड़ा नहीं जाएगा। हालांकि विवाद बढ़ने पर उसने आईडी डिलीट कर दी थी, लेकिन तब तक वह साइबर पुलिस के रडार पर आ चुका था। झुमका चौराहे से हुई गिरफ्तारी- साइबर सेल ने सर्विलांस और आईएमईआई नंबरों की तकनीकी जांच के बाद 28 वर्षीय दीपक कौशिक (निवासी ग्राम रतुपुरा, थाना रायपुर देहात, बिजनौर) को चिन्हित किया। बृहस्पतिवार को साइबर थाना पुलिस ने झुमका चौराहे पर घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से सैमसंग गैलेक्सी स्न15 मोबाइल फोन और अपराध में इस्तेमाल किए गए दो सिम कार्ड बरामद किए गए हैं।

मामले में 67 आईटी एक्ट के साथ ही बीएनएस की धारा 319(2)/356 और 66सी आईटी एक्ट की बढ़ोत्तरी कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम-इस मामले का पर्दाफाश करने वाली साइबर क्राइम टीम में प्रभारी निरीक्षक धनंजय कुमार पाण्डेय, उप-निरीक्षक गुरमीत तोमर, उप-निरीक्षक सौरव तोमर, हेड कांस्टेबल विलीश कुमार और कांस्टेबल विवेक कुमार शामिल रहे।

एसएसपी ने 21 शातिर अपराधियों की खोली क्लास (B) हिस्ट्रीशीट

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो /बरेली। जनपद में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य के निर्देश पर पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया है। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी, गौकशी, हत्या, लूट, वाहन चोरी और गंभीर आपराधिक वारदातों में लिप्त कुल 21 शातिर अपराधियों की क्लास (B) हिस्ट्रीशीट खोल दी है। एसएसपी ने सभी संबंधित थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इन सभी हिस्ट्रीशीटरों की हर गतिविधि पर लगातार निगरानी रखी जाए और दोबारा अपराध में सक्रिय पाए जाने पर सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। ?इन थानों में दर्ज हुआ रिकॉर्ड०- कार्रवाई के तहत आंवला में 4, शीशगढ़ व भमौरा में 3-3, फरीदपुर व कैंट में 2-2 तथा शाही, देवरनिया, शेरगढ़, बहेड़ी, नवाबगंज, किला व अलीगंज थाने में 1-1 अपराधी की हिस्ट्रीशीट खोली गई है। ?अपराध वार ब्योरा- दर्ज हिस्ट्रीशीटों में सर्वाधिक 6 अपराधी मादक पदार्थ तस्करी के हैं। इसके अलावा पशु क्रूरता/तस्करी, हत्या/लूट और गौकशी/लूट के 3-3, हत्या के प्रयास के 2 तथा चोरी, वाहन चोरी, मारपीट व बलवा के 1-1 अपराधी शामिल हैं। ?शीर्ष अपराधी रडार पर-कार्रवाई की जद में आए प्रमुख हिस्ट्रीशीटरों में शीशगढ़ का अकील अहमद (20 मुकदमे), शाही का इमरान (15 मुकदमे), अलीगंज का रामभरोसे (14 मुकदमे), नवाबगंज का सूरजपाल उर्फ सूरज पाठक (12 मुकदमे), बहेड़ी का मो0 शाकिर (10 मुकदमे), शेरगढ़ का ओमप्रकाश (10 मुकदमे) और कैंट का मुकुल यादव (10 मुकदमे) शामिल हैं।

शिक्षक एमएलसी चुनाव: 23 अक्टूबर को मतदान में , 25 पोलिंग बूथों पर 6,722 मतदाता करेंगे फैसला

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र-2026 के मतदेय स्थलों के प्रस्ताव को लेकर राजनीतिक दलों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि निर्वाचन आयोग ने चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है और आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। बरेली मंडल के मंडलायुक्त को रिटर्निंग ऑफिसर और परिक्षेत्र के 9 जिलों (बरेली, बदायूं, पीलीभीत, शाहजहांपुर, रामपुर, मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा और संभल) के जिलाधिकारियों को सहायक रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया है। जिले में 25 बूथों पर 6,722 मतदाता-जनपद बरेली में 6 जनवरी 2026 को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के अनुसार कुल 6,722 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनके लिए 25 मतदेय स्थल प्रस्तावित किए गए हैं। संजय गांधी कम्युनिटी सेंटर को स्ट्रांग रूम व मतगणना स्थल बनाया गया है। महत्वपूर्ण तिथियां- अधिसूचना जारी- 29 सितंबर 2026 नामांकन की अंतिम तिथि- 06 अक्टूबर 2026 नामांकन पत्रों की जांच- 07 अक्टूबर 2026 नाम वापसी- 09 अक्टूबर 2026 मतदान- 23 अक्टूबर 2026 (सुबह 8-00 से शाम 4-00 बजे तक) ?मतगणना- 27 अक्टूबर 2026 बैठक में एडीएम (वित्त एवं राजस्व) संतोष कुमार सिंह, नवाबगंज, मीरगंज, फरीदपुर व बहेड़ी के एसडीएम, आंवला तहसीलदार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अग्निवीर भर्ती में मेडिकल पास कराने का खेल बेनकाब , 5 जालसाज दबोचे गए

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जाट रेजिमेंट सेंटर में आयोजित हो रही अग्निवीर भर्ती के दौरान युवाओं को झांसे में लेकर ठगी करने वाले एक अंतरजनपदीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। थाना कैंट पुलिस और मिलिट्री इंटेलिजेंस (MI) की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर गिरोह के 5 सक्रिय सदस्यों को हरभजन गेट के पास से रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। ?शारीरिक माप-तौल और मेडिकल में फिट कराने का देते थे फर्जी झांसापुलिस के अनुसार, यह गिरोह ऐसे अभ्यर्थियों को निशाना बनाता था जिन्हें माप-तौल अथवा मेडिकल टेस्ट में अनफिट होने का डर रहता था। पकड़े गए आरोपियों में विशाल यादव (पूर्व में आर्मी मेडिकल कोर में सफाईकर्मी) और नूर अहमद (कारपेंटर) खुद को मिलिट्री अस्पताल के डॉक्टरों व सैन्य अधिकारियों का करीबी बताकर युवाओं को अपने जाल में फंसाते थे। यदि अभ्यर्थी अपनी मेहनत से भी पास हो जाता, तो ये शातिर खुद का प्रभाव बताकर मोटी रकम ऐंठ लेते थे।

मोबाइल से मिले व्हाट्सएप चैट व बैंक ट्रांजेक्शन के सबूत पकड़े गए आरोपियों की पहचान प्रदीप कुमार शर्मा (बदायूं), विशाल यादव (बरेली), राजवीर उर्फ कैलाश (सम्भल), धर्मेन्द्र सिंह (बदायूं) तथा नूर अहमद (बरेली) के रूप में हुई है। इनके पास से 6 मोबाइल फोन, ?9,100 की नकदी, एक सुपर स्प्लेंडर बाइक और एक स्कूटी बरामद की गई है। मोबाइल की जांच में अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड, मेडिकल दस्तावेज और ऑनलाइन लेन-देन के स्क्रीनशॉट मिले हैं। पुलिस ने सभी के खिलाफ बीएनएस की सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेजने की कार्रवाई की है। आरोपी विशाल और धर्मेंद्र का पहले से आपराधिक इतिहास भी रहा है।

बरेली कॉलेज में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में चार प्रतिभागियों ने मारी बाजी, जिला स्तरीय मुकाबले के लिए चयन

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली कॉलेज के एम.एड. विभाग में बुधवार को 'मेरे सपनों का भारत' थीम पर राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के स्वयंसेवकों एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं के लिए विशेष सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 60 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए अपनी बौद्धिक क्षमता और सामान्य ज्ञान का प्रदर्शन किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सत्येंद्र, राधिका, योगेश एवं आशीष सोनकर का चयन आगामी जिला स्तरीय सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित प्रतिभागियों को अतिथियों एवं प्राध्यापकों ने शुभकामनाएं देते हुए जिला स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में छात्र एवं छात्रा इकाइयों के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शुभांशु शेखर, डॉ. सीताराम राजपूत, प्रोफेसर अमिता गुप्ता एवं प्रोफेसर अजिता सिंह तिवारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला कोरियन वार्ड संख्या-05, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-16, जो गृहकर अभिलेखों में श्री राजीव कुमार पुत्र श्री मंगलसैन निवासी मोहल्ला मौ0 कोरियन कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज है।परंतु श्रीमती भगवती पत्नी श्री नन्हे निवासी मोहल्ला कोरियन कस्बा व तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के रकबई 23.27 वर्गमीटर भाग पर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक-16/07/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ विक्रय पत्र (बैनामे) की छायाप्रति संलग्न कर प्रेषित की गई है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	16	कोरियन	श्री राजीव कुमार पुत्र मंगलसैन	श्रीमती भगवती पत्नी श्री नन्हे

उक्त के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो वह इस नोटिस की दिनांक के 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में साक्ष्यों सहित कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयसीमा तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में आवेदक का नाम गृहकर अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा। दर्ज करने उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

राजस्व-निरीक्षक

नगर पालिका परिषद बिलारी (मुरादाबाद)

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

श्रावस्ती में जमीन पैमाइश के दौरान युवक की मौत; थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल /श्रावस्ती= गिलौला थाना क्षेत्र के सिसवारा गांव में जमीन की पैमाइश के दौरान हुए विवाद और पुलिस वाहन से कूदकर युवक की मौत के मामले में पुलिस विभाग ने कार्रवाई की है. मामले में गिलौला थानाध्यक्ष उपनिरीक्षक आशीष कुमार, पुलिसकर्मी इंद्रदेव पटेल और आरक्षी परविन्दर कुमार को पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी ने लाइन हाजिर कर दिया है.वहीं पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक राजेश कुमार गुप्ता को गिलौला थाने का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है. मामला मंगलवार शाम का है. सिसवारा निवासी राहुल वर्मा पुत्र राम भवन वर्मा ने जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत एसडीएम से की थी. एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार आयुष के नेतृत्व में राजस्व निरीक्षक और लेखपाल की टीम पुलिस बल के साथ गांव पहुंची और विवादित भूमि की पैमाइश की.

पुलिस के अनुसार पैमाइश के बाद राहुल वर्मा की ओर से विवादित जमीन पर दीवार का निर्माण कराया जा रहा था. इसी दौरान विपक्षी पक्ष की महिलाओं ने हंगामा करते हुए दीवार गिराने का प्रयास किया. स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने पांच महिलाओं और एक पुरुष को शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकारी वाहन से थाने भेजना शुरू किया. पुलिस का कहना है कि रास्ते में मदारपुरवा पुरुषोत्तमपुर निवासी कमलेश कुमार पुत्र बृजलाल ने वाहन का गेट खोलकर चलती गाड़ी से छलांग लगा दी. गंभीर रूप से घायल कमलेश को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. लेखपाल और राजस्व निरीक्षक निलंबित= डीएम अन्नपूर्णा गर्ग और एसपी राहुल भाटी के अनुसार मामले की प्रारंभिक जांच में लेखपाल अपूर्व कृष्ण यादव और राजस्व निरीक्षक की लापरवाही सामने आई है. दोनों को निलंबित कर दिया गया है. प्रकरण की विस्तृत जांच के लिए एडीएम के नेतृत्व में जांच टीम गठित की गई है. कमलेश की मौत के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया. मृतक के भाई की तहरीर पर गिलौला थाने में राहुल वर्मा समेत सात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है. परिजनों ने पुलिस और शिकायतकर्ता पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं. कमलेश की मौत की जानकारी के बाद भीम आर्मी के कार्यकर्ता गांव पहुंचे और पुलिस पर हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया. गांव में पहले से तैनात पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए कार्यकर्ताओं को वापस भेज दिया. तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस बल की तैनाती जारी है.।

212 मकान-दुकानों पर लगे लाल निशान, 15 दिन में हटाने का नोटिस वरना चलेगा बुलडोजर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट स्कीम (सीएम-ग्रिड) स्कीम-फेज तीन के अंतर्गत बरेली के ईंट पंजाया चौराहे से सड़क चौड़ीकरण की जद में 212 निर्माण आड़े आ रहे हैं। इसमें मकान, दुकानें शामिल हैं। नगर निगम ने इन्हें अतिक्रमण बताते है हुए 15 दिन में हटाने का नोटिस जारी किया है। स्पष्ट चेतावनी के साथ कि निर्धारित समयसीमा के अंदर निर्माण नहीं हटाया गया तो बुलडोजर से ध्वस्तीकरण होगा। ईंट पजाया चौराहे से महार्षि चौक तक सड़क चौड़ी करने की प्रक्रिया चल रही है। नगर निगम ने इस अंतराल में सड़क किनारे अतिक्रमण चिन्हित करने के लिए अभियान चलाया। जांच और पैमाइश हुई। इस दौरान 212 निर्माण सड़क चौड़ीकरण के दायरे में आ रहे हैं। निगम ने उन सभी निर्माणों पर लाल निशान लगा दिया है। निर्माण का चिन्हित हिस्सा खुद तोड़ने के लिए कहा है। ऐसा न होने की स्थिति में यहां बुलडोजर एक्शन संभव है। शहर की सड़कें चौड़ी हों। आवागमन आसान बने। जाम का झंझट खत्म हो सके। इसी को लेकर ये सारी कसरत जारी है। नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य ने निर्माण विभाग, मानचित्र विभाग से तैयारियां पूर्ण रखने के कहा है। सड़क के राह में पड़ने वाले मकान-भवनों की एक बार फिर जांच कर ली जाए। ताकि कार्रवाई के वक्त किसी तरह के भ्रम-असमंजस की स्थिति नहीं पैदा होने पाए। शासन को जाएगी रिपोर्ट-सीएम ग्रिड योजना के फेज तीन के प्रोजेक्ट को पूरा करने की कोशिशें तेज हैं। ईंट पजाया वाली सड़क चौड़ीकरण के संबंध में निगम ने जो नोटिस जारी किए हैं। 15 दिन की उनकी अवधि पूरी होने के बाद निगम शासन को एक रिपोर्ट भेजने की तैयारी में है। उसके बाद अतिक्रमण वाले हिस्से पर बुलडोजर एक्शन होगा। नगरायुक्त संजीव कुमार मौर्य के मुताबिक, नोटिस जारी कर दिए गए हैं और निर्धारित समयसीमा में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

मांगें पूरी न हुई तो शिक्षामित्र 28 से करेंगे अनिश्चितकालीन धरना

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। शिक्षामित्रों को विशेष टीईटी में शामिल न किए जाने, स्थानांतरण प्रक्रिया अभी तक न पूर्ण होने के साथ ही अन्य समस्याओ को लेकर शिक्षामित्र 28 सितंबर को बीएसए कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना देंगे। गुरुवार को उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ की गुरुवार को गांधी उद्यान मे हुई बैठक मे प्रदेश संगठन मंत्री कौशल कुमार सिंह ने बताया कि संघ के प्रांतीय नेतृत्व ने टीईटी पास शिक्षामित्रों के स्थायित्व, नॉन टेट को विशेष टीईटी में शामिल करने, सेवानिवृत्ति की आयु बढ़ाकर 62 वर्ष किए जाने, शिक्षामित्रों के स्थानांतरण प्रक्रिया को पूर्ण करने को लेकर बीएसए कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना देकर ज्ञापन दिया जाएगा। जिलाध्यक्ष कपिल यादव ने बताया कि धरने को लेकर बीएसए डॉक्टर विनीता व नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय को लिखित मे ज्ञापन दे दिया है। महामंत्री कुमुद केशव पांडे ने बताया कि टीईटी उत्तीर्ण शिक्षामित्रों को नई शिक्षक भर्ती में पूर्व की भर्तियों की तरह भारांक या वरीयता दी जाए। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कपिल यादव, सर्वेश पटेल, संजीव कुमार, नरेश कुमार, जसवीर सिंह यादव, संतोष कुमार, चेतना कुमारी, सतीश चंद्र गंगवार, राजीव उपाध्याय, सुरेश पाल सिंह, श्रवण कुमार, गिरीश कुमार, उत्तम कुमार, रामसेवक, हरिओम, मोहम्मद आसीन सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।।

सुपरवाइजर प्रतिदिन कम से कम 3-3 आंगनबाड़ी केंद्रों का करें निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सिरोंज परियोजना कार्यालय के औचक निरीक्षण एवं समीक्षात्मक बैठक में दिए निर्देश कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आज सिरोंज स्थित महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागीय गतिविधियों, आंगनबाड़ी केंद्रों की व्यवस्थाओं तथा सुपरवाइजरों द्वारा किए जा रहे मैदानी कार्यों की समीक्षा की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने विभागीय कार्यों में और अधिक कसावट लाने तथा महिलाओं एवं बच्चों के लिए संचालित योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षात्मक बैठक में कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देशित किया कि सभी सुपरवाइजर अब प्रतिदिन अपने कार्यक्षेत्र में कम से कम 3-3 आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान आंगनबाड़ी केंद्रों की उपस्थिति, पोषण व्यवस्था, बच्चों की स्वास्थ्य एवं वृद्धि संबंधी स्थिति तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का परीक्षण कर नियमित रूप से रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। कलेक्टर श्री गुप्ता ने निर्देश दिए कि आंगनबाड़ी केंद्रों में दर्ज प्रत्येक बच्चे का वजन लिया जाना सुनिश्चित किया जाए। यदि कोई बच्चा आंगनबाड़ी केंद्र पर उपस्थित नहीं मिलता है तो संबंधित सुपरवाइजर एवं कार्यकर्ता उसके घर जाकर आवश्यक जानकारी संकलित करें तथा बच्चे की वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि केवल कागजी रिकॉर्ड तक सीमित न रहते हुए मैदानी स्तर पर बच्चों की स्थिति का सत्यापन किया जाना आवश्यक है। सेम एवं मेम श्रेणी के बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराने के निर्देश कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने निर्देश दिए कि कुपोषण श्रेणी में चिन्हित प्रत्येक बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति पर विशेष निगरानी रखी जाए और आवश्यकतानुसार उन्हें पोषण पुनर्वास केंद्र (NRC) में भर्ती कराया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी कुपोषित बच्चे को उपचार एवं विशेष पोषण की सुविधा से वंचित नहीं रहने दिया जाए।

अगरास में अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर घायल युवक की इलाज के दौरान मौत,घर में कोहराम

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी।बुधवार देर शाम अगरास मोड पर की टक्कर से गांव अगरास सागर बृहस्पतिवार के दौरान निजी मौत हो शब को अज्ञात वाहन गंभीर घायल निवासी अनिल (25) की शाम को इलाज बरेली के एक अस्पताल में गई।पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।जिससे घर में कोहराम मच गया। गांव अगरास निवासी अनिल सागर बुधवार देर शाम खेत से घर लौट रहे थे। अगरास मोड़ पर गन्ना सेंटर के पास रोड पार करते समय अनियंत्रित तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी।वाहन का पहिया अनिल के दोनों पैरों से उतरने पर गंभीर हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस के द्वारा उनको बरेली निजी अस्पताल भेजा था।बृहस्पतिवार शाम को इलाज के दौरान अनिल की अधिक रक्तस्राव से मौत हो गई।जिससे घर में कोहराम मच गया।भाई सुनील कुमार ने बताया उनकी शादी नहीं हुई थी।वह छह भाइयों में पांचवे नंबर के थे।अनिल घर पर ही रहकर खेतीबाड़ी में सहयोग करता था।पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है।टक्कर मारकर भागे वाहन की पुलिस तलाश कर रही है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया अनिल के शब को फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश जारी है।

नगर के मुख्य बाजार में गुरुवार को राधा रानी की छठी का उत्सव धूमधाम से मनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। नगर के मुख्य बाजार में गुरुवार को राधा रानी की छठी का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही बाजार में भक्तिमय माहौल बन गया और राधा रानी के भजनों से पूरा इलाका गूंज उठा।छठी पूजन के बाद आयोजकों ने मुख्य बाजार में कढ़ी-चावल का विशाल भंडारा किया। गुरुवार को साप्ताहिक बाजार होने से रहपुरा जागीर, मीरापुर, भोलापुर, रसुला चौधरी, रूकुमपुर और माधौपुर समेत दर्जनों गांवों के ग्रामीण और कस्बे के व्यापारियों ने भंडारे में प्रसाद लिया।

भंडारे के दौरान %राधे-राधे% और %जय किशोरी जी% के जयकारों से बाजार गूंजता रहा। प्रसाद लेने के लिए लोगों की काफी भीड़ उमड़ी। आयोजकों ने बताया कि यह परंपरा कई सालों से चली आ रही है। हर साल राधा अष्टमी के बाद छठी पर भंडारे का आयोजन होता है। भंडारा बांटने में अखिलेश अग्रवाल, राज कपूर गुप्ता, आशीष अग्रवाल, सतीश गुप्ता, अमित सिंह, गोविंद गुप्ता उर्फ शीपू लाला, राजकुमार कश्यप, मुदित प्रताप सिंह और संजीव शर्मा समेत कई लोगों ने सहयोग किया।

मीना का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

नाटक, गीत और नृत्य के जरिए दिया शिक्षा व सुरक्षा का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच / औंध। उच्च प्राथमिक विद्यालय औंध में बच्चों की रोल मॉडल मीना का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने शिक्षाप्रद नाटक, गीत और नृत्य प्रस्तुत कर शिक्षा, सुरक्षा और शत-प्रतिशत उपस्थिति का संदेश दिया।इंचार्ज प्रधानाध्यापक राहुल यदुवंशी ने बच्चों को मीना की फिल्म दिखाकर उसके जीवन से प्रेरणा लेने और उसकी अच्छी बातों को अपने जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बेटियों की शिक्षा व सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला। सहायक अध्यापिका पूनम शर्मा ने बच्चों को अपने हाथों से बनाया केक वितरित किया। इस दौरान वर्षभर उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत मुख्य बाजार में नुक्कड़ नाटक, पीएम मोदी के सेवा कार्यों का हुआ मंचन

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। भारतीय जनता पार्टी के सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरुवार को नगर के मुख्य बाजार में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाट्य कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राजनीतिक जीवन में किए गए सेवा कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों का जीवंत मंचन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने किया। उन्होंने कहा कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र प्रथम की भावना ही भाजपा की पहचान है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश सेवा के नए आयाम स्थापित हुए हैं, जिन्हें नुक्कड़ नाटक के जरिए जनता तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है।इस दौरान बाजार में बड़ी संख्या में व्यापारी और राहगीर मौजूद रहे, जिन्होंने कलाकारों के अभिनय की सराहना की।कार्यक्रम में जिला मंत्री संजय चौहान, विधानसभा प्रभारी तेजपाल फौजी, मंडल अध्यक्ष कैलाश शर्मा, मंजू कोरी, उमेश साहू, सूरज राठौर, ओमेंद्र चौहान, बालेदीन पाल, कन्हाई लाल, सुधीर शर्मा, महेंद्र मौर्य, महेंद्र पाल गुर्जर समेत पार्टी के तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कान्हा गौशाला में गौवंश के संरक्षण और व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / बिलारी । कान्हा गौशाला बिलारी का भ्रमण कर गौ सेवा आयोग के सदस्य दीपक गोयल ने गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान गौवंश के रख-रखाव, चारा-पानी, स्वच्छता और बेहतर देखभाल की व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद कर गौशाला की व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित बनाने को लेकर आवश्यक चर्चा की गई। उत्कृष्ट कार्य करने वाले पैरावेट को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर डॉ. नीरज कुमार यादव, डिप्टी सीईओ, नीलमणि, पशुधन प्रसार अधिकारी, गौशाला प्रभारी हुकम सिंह, पैरावेट शैंकी चौधरी, अधिशासी अधिकारी रजनी सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोंच पुलिस को मिली बड़ी सफलता: मोबाइल चोरी का त्वरित खुलासा, 3 शातिर चोर गिरफ्तार; सैमसंग फोन, सिम, नकदी व स्प्लेंडर बाइक बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ जनपद जालौन में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत कोतवाली कोंच पुलिस ने मोबाइल चोरी की एक वारदात का चंद घंटों में सफल अनावरण किया है। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पहाड़गांव से पूंछ जाने वाले मार्ग पर नहर पुलिया के पास से तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी किया गया सैमसंग स्मार्टफोन, जियो सिम, नकदी और वारदात में इस्तेमाल की गई हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गई है। ?नहर पुलिया के पास हुई त्वरित घेराबंदी-क्षेत्राधिकारी कोंच परमेश्वर प्रसाद ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक जालौन के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन एवं सीओ कोंच के पर्यवेक्षण में कोतवाली पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्धों की निगरानी में जुटी थी। इसी दौरान दिनांक 24 सितंबर 2026 को थाना कोंच पर पंजीकृत मु0अ0सं0 202/2026 (धारा 303(2), 317(2) बीएनएस) की विवेचना के क्रम में पुलिस को आरोपियों के भागने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने तत्काल जाल बिछाकर पहाड़गांव-पूंछ मार्ग पर ग्राम दाढ़ी से आगे नहर पुलिया के पास तीनों को दबोच लिया। ?तीनों आरोपी एक ही मोहल्ले के निवासी, कोर्ट में पेशी गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सचिन तिवारी (21) पुत्र भूरे तिवारी उर्फ दिनेश तिवारी, सोनू तिवारी (29) पुत्र उत्तम तिवारी उर्फ बब्लू तथा हर्ष वर्मा उर्फ बेटू (19) पुत्र श्यामबाबू वर्मा के रूप में हुई है। तीनों अभियुक्त स्थानीय मोहल्ला गोखले नगर, थाना कोंच के निवासी हैं। ?बरामदगी व पुलिस टीम-तलाशी के दौरान सचिन तिवारी से 1 अदद काले रंग का सैमसंग स्न17 मोबाइल, सोनू तिवारी से चोरी गई 1 अदद जियो सिम व ?50 नकद, तथा हर्ष वर्मा से ?200 नकद बरामद हुए। साथ ही चोरी में प्रयुक्त हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक (क्र92-ङ्क 1406) भी जब्त की गई। खुलासा करने वाली टीम में उपनिरीक्षक शुभम सिंह परमार, हेड कांस्टेबल अवनीश कुमार, कांस्टेबल सोनू डागुर व कांस्टेबल अंशुल यादव शामिल रहे। सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेज दिया गया।

सामूहिक विवाह समारोह में 714 जोड़ों ने थामा एक-दूजे का हाथ, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने दिया आशीर्वाद

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार /नवीन गल्ला मंडी, कालपी रोड उरई में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित भव्य समारोह में 714 जोड़ों ने वैवाहिक जीवन में प्रवेश किया। विवाह समारोह में विभिन्न धर्मों एवं समुदायों की परंपराओं के अनुरूप वैवाहिक रस्में संपन्न हुईं। उल्लासपूर्ण वातावरण के बीच जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद, समृद्ध एवं मंगलमय दांपत्य जीवन की कामना की। सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए बड़ी राहत है। उन्होंने कहा कि सरकार बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सामूहिक विवाह जैसे आयोजन सामाजिक समानता और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं तथा जरूरतमंद परिवारों को सम्मानपूर्वक विवाह संपन्न कराने का अवसर प्रदान करते हैं। माधौगढ़ विधायक मूलचंद्र निरंजन ने कहा कि गरीब परिवारों के लिए बेटियों का विवाह कई बार आर्थिक चुनौती बन जाता था, लेकिन मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना ने इस चिंता को काफी हद तक कम किया है। उन्होंने कहा कि एक ही परिसर में विभिन्न समुदायों के जोड़ों का अपनी-अपनी परंपराओं के अनुसार विवाह संपन्न होना सामाजिक एकता और भाईचारे की सुंदर मिसाल है। कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समरसता को मजबूत करने वाली पहल है। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों को सम्मान के साथ अपनी बेटियों का विवाह संपन्न कराने का अवसर मिल रहा है। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रशासक डॉ. घनश्याम अनुरागी ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों तक शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह समारोह सामाजिक सद्भाव, समानता और आपसी भाईचारे का संदेश देते हैं। जिलाधिकारी समीर ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्र कन्या के खाते में 64 हजार रुपये की धनराशि डीबीटी के माध्यम से, 21 हजार रुपये विवाह सामग्री तथा 15 हजार रुपये विवाह आयोजन की व्यवस्थाओं पर व्यय किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग देने के साथ उन्हें सम्मानजनक वैवाहिक जीवन की शुरुआत का अवसर उपलब्ध कराना है। समारोह में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नवविवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाणपत्र प्रदान किए और उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस अवसर मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक शत्रुहन पाठक, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी संजय श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी, कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में वर-वधू के परिजन मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

दो सड़क दुर्घटनाओं में बालक सहित दो लोग गंभीर घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती दो अलग अलग सड़क दुर्घटनाओं में बालक सहित दो लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। थाना मल्हीपुर क्षेत्र के प्रतापपुर गांव में एक अज्ञात बाइक सवार ने 6 वर्षीय बच्चे को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रज्जाक अली पुत्र सुफियान गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर लगते ही बच्चा सड़क पर गिर पड़ा और मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों की मदद से परिजन आनन-फानन में बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मल्हीपुर लेकर पहुंचे। जहां डॉ सिद्धेश वर्मा ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। इसी तरह से मल्हीपुर थाना क्षेत्र के शिकारी चौड़ा निवासी कुलेराज पाठक (45) पुत्र जगदीश प्रसाद पाठक बहराइच गए थे। वापस घर लौटते समय हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र केथ जमुनहा-बहराइच मार्ग पर फत्तेह बहादुर इंटर कॉलेज गौसपुर के पास पीछे से आ रही अज्ञात बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में कुलेराज पाठक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

गणपति बप्पा के दरबार में गुरुवार को हवन-पूजन के बाद कन्या भोज एवं भंडारा का हुआ विशाल आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती हरदत्त नगर गिरन्ट क्षेत्र के जंगल समीप टोड़ीसमय माता मंदिर पर श्री गणेश महोत्सव में बीती रात में आयोजित हुई अद्भुत मनमोहक झांकियां एवं चारों चली रही भगवान श्री सिद्ध विनायक जी की धूम धाम से पूजा अर्चना । टोड़ीसमय माता मंदिर पर मंगलवार की रात को मशहूर जागरण कलाकार उमेश उजाला वजीरगंज बहराइच एवं पलियाकलां लखीमपुर के कलाकारों ने पहुंचकर अद्भुत मनमोहक झांकी प्रस्तुत कर सभी आए दर्शकों का मन मोह लिया । गुरुवार को विशाल भंडारे का आयोजन में कन्या भोज कराया गया। इसके बाद सामूहिक भंडारा चला। जिसमें भाजपा मंडल अध्यक्ष गिरन्ट मंटू यादव ,श्री गणेश पूजा समिति टोड़ी समय माता मंदिर के अध्यक्ष रामानंद यादव , कोषाध्यक्ष राजेश कुमार आर्या उर्फ तिवारी , रामू सैनी , मनीष यादव ,अकबाल बहादुर सिंह , राम फकीरे यादव , अन्नतराम यादव , भूप सिंह , शिक्षक रमेश कुमार यादव , रामसुमेर यादव , पूर्व प्रधान असगर अली , राधेश्याम , कुलदीप त्रिपाठी , रामप्रसाद यादव शाहिद खान , सदानंद , रामदयाल शर्मा सहित लोग भगवान श्री गणेश जी भंडारे में उपस्थित रहे। इसी तरह केवटनपुरवा गांव में गांवट माता मंदिर पर , जयपत्तपुरवा समय माता मंदिर , बरगदही गांव में गबडू बाबा मंदिर पर कन्या भोज व विशाल भंडारा चला । गिरन्टभाजपा मंडल अध्यक्ष ने बताया कि शुक्रवार को गाजे - बाजे के साथ भगवान श्री गणेश जी महाराज की विसर्जन शोभा यात्रा निकाली जाएगी जो धन्नीपुरवा बुधबाजार गिरन्ट बाजार , बदला चौराहा से होकर बहराइच जमुनहा मार्ग के बाबा जंगल दास कुट्टी भाकलानदी पर किया जाएगा ।

पीएम सूर्यघर योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ- मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट में पीएम सूर्यघर योजना की प्रगति के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में परियोजना अधिकारी उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) बदायूँ एवं विद्युत विभाग के संबंधित अधिशासी अभियंताओं के साथ योजना के अंतर्गत विद्युत विभाग के स्तर पर लंबित निरीक्षणों की समीक्षा की गई। बैठक में अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड प्रथम बदायूँ के स्तर पर 80, विद्युत वितरण खंड द्वितीय के स्तर पर 27, विद्युत वितरण खंड तृतीय के स्तर पर 10 तथा विद्युत वितरण खंड चतुर्थ के स्तर पर 14 निरीक्षण लंबित पाए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने लंबित प्रकरणों के संबंध में विस्तार से जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आ रही समस्याओं का तत्काल निस्तारण कर लंबित निरीक्षणों को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी ने परियोजना अधिकारी यूपीनेडा श्री प्रणव कुमार पाठक से बाबू जी कल्याण सिंह ग्राम उन्नति योजना एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के संबंध में अभी तक प्राप्त न हुए प्रस्तावों की भी जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर प्रस्ताव प्राप्त करने तथा उन्हें जिलाधिकारी के माध्यम से अविलंब शासन को प्रेषित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विद्युत उपभोक्ताओं को योजना के लाभों की व्यक्तिगत रूप से जानकारी देने तथा अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त कराने पर विशेष जोर दिया। इसके लिए विकासखंड, तहसील एवं ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर, स्टॉल एवं प्रचार-प्रसार केंद्र लगाकर व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें तथा लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करते हुए पात्र विद्युत उपभोक्ताओं को योजना का अधिक से अधिक लाभ दिलाया जाए।

सहकारी बैंकों में पारदर्शिता लाने के निर्देश, लापरवाही पर शाखा प्रबंधकों की तय होगी जवाबदेही

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/शिवपुरी। सहकारी बैंकों की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और वित्तीय अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने सहकारिता विभाग, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारियों एवं शाखा प्रबंधकों की बैठक ली। उन्होंने जिले की सभी सहकारी बैंक शाखाओं में पारदर्शी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि सहकारी बैंकों में गबन एवं वित्तीय अनियमितताओं के मामले गंभीर हैं। प्राथमिक सहकारी समितियों में किसी भी प्रकार की वित्तीय गड़बड़ी सामने आने पर संबंधित शाखा प्रबंधक इसकी निगरानी कर वरिष्ठ कार्यालय को तत्काल सूचना दें तथा दोषियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित करें। लापरवाही पाए जाने पर शाखा प्रबंधकों की भी सीधी जवाबदेही तय की जाएगी।

जमा पूंजी की सुरक्षा पर विशेष जोर- कलेक्टर ने कहा कि सहकारी बैंकों में आम नागरिकों और किसानों की जमा पूंजी होती है। वित्तीय अनियमितताओं के कारण लोगों को अपनी जमा राशि प्राप्त करने के लिए परेशानी का सामना करना पड़ता है और इस संबंध में जनसुनवाई में भी शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों को शाखाओं की नियमित निगरानी एवं सतत निरीक्षण के निर्देश दिए।

उन्होंने गबन के प्रकरणों में दोषियों से गबन की गई राशि की शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित करने को कहा। निर्धारित समय में राशि जमा नहीं करने पर संबंधितों की संपत्ति की कुर्की एवं नीलामी की वैधानिक प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही कार्य में शिथिलता बरतने वाले विभागीय अधिकारियों के विरुद्ध भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी।

स्कूल के आसपास की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त, कलेक्टर के निर्देश पर 24 घंटे में कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। पोहरी अनुभाग के ग्राम छर्च में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर के पास शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को प्रशासन ने 24 घंटे के भीतर हटा दिया। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देश पर राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अतिक्रमणकारियों को शासकीय भूमि से बेदखल करने की कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, गत दिवस ग्राम छर्च में आयोजित विशेष जनसुनवाई शिविर के दौरान कलेक्टर अर्पित वर्मा ने शासकीय विद्यालय का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान विद्यालय परिसर और आसपास की शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा पाए जाने पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कलेक्टर ने राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को शासकीय भूमि को चिन्हित कर अतिक्रमण हटाने तथा अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निर्देशों के पालन में एसडीएम पोहरी जे.पी. गुप्ता ने राजस्व विभाग की टीम गठित की। इसके बाद बुधवार को पुलिस एवं राजस्व विभाग के संयुक्त दल ने कार्रवाई करते हुए विद्यालय के पास शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटा दिया। प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई से विद्यालय के आसपास की शासकीय भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

गणेश चतुर्दशी के पावन अवसर पर 62वीं वाहिनी में श्री गणेश पूजा एवं भंडारे का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के कुशल दिशा-निर्देशन में श्री गणेश चतुर्दशी के पावन अवसर पर दिनांक 24.09.2026 को वाहिनी परिसर स्थित मंदिर प्रांगण में विधि-विधान एवं श्रद्धापूर्वक श्री गणेश पूजा का आयोजन किया गया। पूजा-अर्चना के उपरांत वाहिनी परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें वाहिनी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, बलकार्मिकों, संदीक्षा सदस्यों एवं उनके बच्चों ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की तथा प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर संदीक्षा अध्यक्षा श्रीमती प्रेरणा शर्मा, द्वितीय कमान अधिकारी ललेंद्र रत्नाकर, उप कमांडेंट पीयूष सिन्हा, गोबर्धन पुजारी सहित अन्य अधिकारीगण, अधीनस्थ अधिकारीगण, जवान, संदीक्षा सदस्य एवं उनके बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य वाहिनी परिवार में धार्मिक आस्था, आपसी सौहार्द, भाईचारे एवं सामूहिक एकता की भावना को सुदृढ़ करना रहा। गणपति बप्पा की आराधना एवं भंडारे के माध्यम से वाहिनी परिवार ने सुख, शांति, समृद्धि एवं सभी के कल्याण की मंगलकामना की।

नगर पालिका परिसर में भाजपा नेताओं का स्वागत, क्षेत्रीय अध्यक्ष ने किया पौधरोपण

क्यूँ न लिखूँ सच /बिलारी। भारतीय जनता पार्टी के क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, क्षेत्रीय महामंत्री हरीश सिंह ठाकुर एवं जिलाध्यक्ष आकाश कुमार पाल के बिलारी रघुराज सिंह यादव ने स्वागत एवं अभिनंदन नागर ने नगर पालिका परिसर में पौधरोपण को पर्यावरण संतुलन के लिए महत्वपूर्ण नगर पालिका परिसर पहुंचने पर नगर पालिका अध्यक्ष किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने पौधरोपण बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया।कार्यक्रम में जिला महामंत्री आदित्य शंकर, पूर्व विधायक राजेश कुमार सिंह, मंडल अध्यक्ष बिलारी विकास गुप्ता, सभासद देवेश शर्मा, दानवीर शर्मा, आमिल सिद्दीकी, प्रवेश प्रजापति, निहाल सिंह लाठर, रशीद पन्ना, मोहम्मद अली, तहजीब आलम, ओमकार, दयाराम मौर्य,संजीव गुप्ता ,गौरव गुप्ता,खाबरी अब्बल सहित पार्टी पदाधिकारी एवं गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुश्री सुरभि जैन निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- शासकीय कार्यों में लापरवाही एवं कदाचरण संबंधी शिकायतों पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के आयुक्त सह संचालक ने की कार्रवाई करते हुए बासौदा की कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुश्री सुरभि जैन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। सुश्री सुरभि जैन के विरुद्ध स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अन्य माध्यमों से शासकीय कार्यों के निर्वहन में लापरवाही एवं कदाचरण संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई थीं। प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के क्रियान्वयन में लापरवाही, कार्यालय में नियमित रूप से विलंब से उपस्थित होने, निर्धारित मुख्यालय पर निवास नहीं करने, उचित मूल्य दुकानों से संबंधित कार्यवाहियों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण नहीं करने तथा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समयावधि में निराकरण नहीं करने संबंधी आरोप शामिल हैं। निष्पादन में शासकीय सेवक से अपेक्षित आचरण के प्रतिकूल व्यवहार किए जाने संबंधी आरोप भी शिकायतों में शामिल हैं। प्राप्त शिकायतों की प्रकृति एवं उपलब्ध तथ्यों को दृष्टिगत रखते हुए उक्त कृत्य प्रथम दृष्टया मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम के नियम 3 के उपनियम (दो) के विपरीत पाया गया। शिकायतों एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सुश्री सुरभि जैन के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किया जाना अपेक्षित पाए जाने पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण के आयुक्त सह संचालक द्वारा निलंबन की कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि में सुश्री सुरभि जैन का मुख्यालय कार्यालय खाद्य, संचालनालय भोपाल निर्धारित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

Avoid these 5 items on; they can affect both taste and health.

Be cautious about milk sweets, deep-fried items, overly sweet dishes, excessively spicy foods, and food stored for extended periods. Prioritize fresh food and proper storage during the rainy season. With the arrival of, households begin preparing delicious dishes along with rituals. While fasting women adhere to a fruit- based and sattvik diet, a variety of traditional dishes are also prepared for other family members. However, in the joy of the festival, we often prepare dishes that, if stored for too long or prepared incorrectly, can compromise both taste and quality. Especially during the rainy season, due to the high humidity and moisture, extra caution is required when handling food. Milk products, deep-fried sweets, or food stored outside for extended periods can spoil quickly. There are some dishes that can feel heavy due to excessive oil, sugar, or spices. Therefore, when planning a menu for Hariyali Teej, consider not only taste but also the season, the freshness of the food, and the health of the person eating it. Here, learn about five such dishes that should be prepared or served with special care during Teej. You will also learn about better alternatives. Milk sweets kept outside for long periods of time - Kheer, Rabri, Kalakand, Peda, and other milk-based sweets are very popular on Hariyali Teej. However, keeping them at room temperature for long periods during the rainy season is not advisable. Milk and its products can spoil quickly. If sweets or dairy-based dishes are left outside for many hours, their taste, smell, and quality can be affected. What to do? - Prepare sweets only as needed and store perishable items at the appropriate temperature. If you're buying sweets from the store, be sure to check the packaging and storage instructions. Excessively fried foods - Many households are known to prepare pakodas, puris, kachoris, and other fried foods during the Teej festival. While they taste great, eating foods fried in excessive oil can lead to a feeling of heaviness and discomfort. If you haven't eaten for a long time during the fast, suddenly consuming a lot of fried food can be especially taxing. What to eat? - Limit the amount of fried foods and, if necessary, choose options made with less oil. You can also include fruits, yogurt, or other light options in your meal. Excessively sugary sweets - A festival is incomplete without sweets, but that doesn't mean you should overdo it with every dish. It's best to control the sugar content of laddus, halwa, kheer, and other sweets. Those who have been advised by their doctor to limit their sugar or carbohydrate intake should be especially cautious when consuming sweets. What to do? - Serve sweets in small quantities and choose less sugary options if possible. Some lighter options prepared with fruits and nuts can also be included in the festival menu. Overly spicy and heavy food - In the excitement of festivals, sometimes more spicy and heavy food is prepared than on normal days. However, during the rainy season, excessive spices, oil, and heavy gravies can cause discomfort for those with digestive problems. If there are elderly people, children, or people with sensitive digestion in the house, be sure to include some light dishes on the menu. Better practice - Use spices in moderation and include lentils, vegetables, fruits, or other nutritious options in the meal. Long-term storage or reheated food - During festivals, more food is cooked in the house, and often leftovers last until the next day. However, not all food is safe to store for long periods. Caution is especially important with cooked rice, milk dishes, and other perishable foods. It is important to store food properly and reheat it thoroughly when needed. If the smell, taste, or texture of food seems unusual, it's best to avoid eating it. What to prepare for Teej? - If you want to create a delicious but relatively light menu for Teej, you can include these options: Fresh fruits and fruit platters Homemade light sweets Yogurt or raita Light curry made from seasonal vegetables Dishes prepared with less oil Limited amount of dry fruits Freshly prepared fruit food Homemade kheer, which should be properly chilled and served Special precautions for those observing the fast - The rules of Teej fasting may vary from family to family and region. Some people observe a dry fast, while others observe a fruit fast or observe a different fast. Do not neglect your health during the fast. If a person has any health problems, is pregnant, or is taking regular medications, it is best to consult a doctor before fasting.

How deeply rooted is yoga in the Indian lifestyle?

India has witnessed a revolution in yoga. Today, I often meet people who advise me to practice Anulom-Vilom. Anulom-Vilom is a form of pranayama, a breathing exercise. Many also recommend the use of Ayurvedic products for a healthy lifestyle. I spent my childhood in the 1980s in a remote area of ??Nalanda district in Bihar. At that time, I had never practiced yoga or heard of it. My grandfather was a wrestler, and I would watch him exercise in the mornings. My father would walk the fields and tend to the crops, while my mother would be busy with household chores from morning until late evening. Yoga was not a part of my family's daily routine. I don't remember anyone in the vicinity practicing yoga. I was first introduced to yoga at JNU. I first learned about yoga when I enrolled at Jawaharlal Nehru University. On the university campus, I saw a yoga instructor teaching people yoga. I never attended a yoga class. I thought yoga required a lot of practice and wasn't for everyone, at least not me. Instead, I went jogging every evening and did some simple physical exercises. Later, I also started practicing Transcendental Meditation, introduced by Maharishi Mahesh Yogi. But at that time, it never occurred to me that meditation was also part of Ashtanga Yoga, the eight limbs of yoga. The picture of yoga has changed in two or three decades. Today, I feel that almost everyone in India is familiar with asanas and pranayama. Even people living in remote villages know about yoga, whereas this was not the case two or three decades ago. India has seen a revolution in yoga. Today, I often meet people who recommend me to do Anulom Vilom. Anulom Vilom is a type of pranayama, or breathing exercise. Many people also recommend the use of Ayurvedic products for a healthy lifestyle. I started practicing yoga regularly about a decade ago. This included practicing various asanas. Some were simple, like Vajrasana, while others were quite difficult, like Padma-Mayurasana (Lotus-Peacock Pose) and Purna Shalabhasana (Full Grasshopper Pose). After a few yoga sessions, I realized that my body was quite flexible and I could easily perform both simple and difficult yoga postures. Gradually, I started practicing asanas for longer periods of time. During this time, I began to understand the connection between yoga and the traditional Indian lifestyle. I realized that yoga has been present in some form or another in the Indian lifestyle, from waking up in the morning until going to sleep at night. A glimpse of yoga begins with the morning routine. The first part of the morning routine includes daily physical hygiene, i.e., defecation. In the traditional method, a person sits in a cross-legged position, which puts pressure on the thighs and aids bowel movements. This posture is associated with Utkatasana, which activates both nostrils and helps one feel refreshed and relaxed. Next, one brushes the teeth. In Ayurveda, this is called Dantdhavan. In ancient times, neem twigs were used for this purpose instead of the plastic toothbrushes commonly used today. Neem, or Azadirachta indica, is considered a tree with medicinal properties. Following this, one exercises and bathes. Then, offering water to the Sun is followed by Surya Namaskar, which incorporates seven yoga postures. Prayers to deities also involve the repetition of words or mantras while controlling breathing, which can be linked to Shavda Pranayama. Yoga also extends to eating habits: after morning prayers, before leaving for work, one would eat breakfast in Ardha Padmasana on a rectangular wooden stool called Peedha. It is also called Bhojanasana. Bhojanasana is said to regulate blood circulation and specifically the Apana Vayu (air of air), which is believed to be related to Prana or breath. The Yoga tradition describes five types of Prana in the body: Prana, Apana, Samana, Udana, and Vyana. Padmasana is said to regulate Prana and blood circulation, helps maintain healthy knee joints, and keeps the spine straight. This helps maintain alertness and vigilance. Yoga also reflects in Indian classical dance: Indian classical dance is guided by the Natya Shastra, which is believed to have its roots in Yoga Shastra. If you observe any Indian classical dance artist, whether it is Bharatanatyam or Odissi, you will see glimpses of Yoga postures and mudras in many of their body movements. According to the Hatha Yoga Pradipika, Mudras are considered to be a higher state of Yoga posture. Thus, Indian classical dance is not merely a performance of art, but also a remarkable blend of body, posture, balance, and concentration. Breath control in sports like kabaddi and chicka - Some traditional Indian sports, such as kabaddi and chicka, require players to hold their breath for extended periods of time during their turn. This technique has its roots in Shavda Pranayama, which involves holding the breath without breaking it.The focus is on maintaining control for as long as possible. In these games, the player who can hold their breath for the longest time and continue playing has a greater chance of winning. Thus, even in traditional Indian sports, a special connection between breath control and physical ability is visible. Physical Benefits of Yoga: Regular practice of yoga can be beneficial for the body in many ways. These include: 1. Improved flexibility and movement 2. Improved muscle strength and tone 3. Improved balance, coordination, and posture 4. Assistance in weight management and metabolism 5. Improved immune function 6. Helps in maintaining good blood circulation and cardiovascular health 7. Helps in reducing chronic pain and inflammation Mental and Emotional Benefits: The effects of yoga are not limited to the physical alone. It is also said to have many mental and emotional benefits: 1. Helps reduce symptoms of stress, anxiety, and depression 2. Improves focus, concentration, and mental clarity 3. Helps regulate and balance emotions 4. Improves mood and overall mental health 5. Increases self-awareness, self-acceptance, and self-love 6. Improves sleep quality 7. Helps increase creativity and productivity Spiritual Benefits of Yoga: Yoga also has a spiritual aspect. Through it, one can move towards understanding their inner self and their life's purpose. The spiritual aspects of yoga include: 1. Connection to one's inner self and higher purpose 2. Balance of energy and chakras 3. Mindfulness and awareness of the present moment 4. Feelings of peace and inner calm 5. Expanded consciousness and self-awareness 6. Increased intuition and inner guidance 7. Deeper sense of purpose and unity Journey to becoming a yoga teacher: After practicing yoga for over a decade, I finally decided to become a yoga teacher and evaluator. I studied yoga at the Morarji Desai National Institute of Yoga and then took a rigorous exam conducted by the Yoga Certification Board of India. In February 2025, I was certified as a yoga teacher and assessor. Since then, I have been conducting yoga classes for diplomats and those interested in yoga. On the occasion of International Yoga Day, I also conducted a special yoga session for journalists and social media influencers in Baku, Azerbaijan. What is yoga? After practicing yoga for more than ten years, I understand that yoga is more than just exercise. Asanas prepare the body, pranayama teaches concentration on breathing, and meditation leads to calming the mind. In the broad tradition of yoga, one strives to develop greater balance within oneself through control of the body, breath, and mind. My yoga journey has taught me that yoga is not limited to any one class, age, or region. It is a tradition from which every person can learn something according to their abilities and needs. Today, when I look back, I am amazed that yoga, which I had never even heard of as a child, has become an important part of my life. Yoga has given me the opportunity to understand my body, focus on my breath, and calm my mind. Yoga connects us all. Even just 15 minutes a day can take you one step closer to peace, positivity, and a better lifestyle. I wholeheartedly recommend yoga to everyone.

Why did Shilpa Shinde say, "I missed Salman Khan"? She said this about Shivangi Joshi and Farah Khan

After a confrontation on "Lock Up Season 2," TV actress Shilpa Shinde said that she missed Salman Khan. Find out why. "Lock Up Season 2" featured frequent clashes between TV actresses Shilpa Shinde and heated arguments and fights was a new experience for the reality show "Bigg Boss" missed Salman Khan" - In a Shinde said, "To be honest, a lot way I was spoken to, especially my age and work, were quite remembered that Salman Khan matters." I missed him." She her as a contestant and showed that Shivangi's game was you're playing a great game, young generation that even didn't like that at all, and I really no one like him." What show, Shivangi often brought up her personality for it. Shilpa also personality and using Harshad major fight broke out between Shivangi had affairs with almost 'Lock Up 2' finale ended on defeating Shivangi Joshi to win down in tears as soon as the winner's name was announced. During the show, Shreya and Shilpa shared a strong friendship, and they stood by each other. Shivangi Joshi and Yogesh Rawat were the runners-up.

Shivangi Joshi. The two often had during the show. While this show Shivangi, Shilpa has previously won and is well-versed in the format. "I recent media interaction, Shilpa of things weren't shown on TV. The Shivangi Joshi's comments about insulting. At times like that, I used to take a stand on such further said that Farah Khan liked no bias, but she didn't like the fact praised. Shilpa said, "When you say you're sending a message to today's talking rudely is a good game. I missed Salman sir, because there's happened on the show? - During the Shilpa's lack of work and blamed accused Shivangi of faking her Chopra to advance in the game. A the two when Shilpa claimed that all of her co-actors. The reality show August 5th, with Shreya Kalra the trophy. Shilpa Shinde broke

Kajal Raghwani expressed her pain after being called an "outsider"; she shared a post, writing, "In Bhojpuri cinema for 16 years..."

Bhojpuri actress Kajal Raghwani recently shared a post on social media, expressing her pain at being called an "outsider." Kajal Raghwani is a well-known name in Bhojpuri cinema. She has worked in over 80 Bhojpuri films. Currently, she is making headlines for the reality show "Bhojpuri Bawal." Meanwhile, she shared a post on social media, responding to those who accuse her of claiming to be "Gujarati" and "outsider" to solicit work. Kajal Raghwani shared a post on her Instagram account. She didn't name anyone who called her an "outsider," but she responded with a lengthy note. Her pain is evident in the fact that some people accuse her of playing the victim card of being an outsider. She said, "I feel I belong here." In the shared post, Kajal writes, "I am a Gujarati. I am an outsider. I cry and beg for work or seek sympathy. I have been told this to the audience more than I have ever said, or been made to feel in the past few days. For this, I will simply say that if I have said it anywhere, it has been to say that this is my karmabhoomi, or that I will always strive for this industry or the people who have brought me here by giving me so much love. I feel I belong here. Everything here is mine." Stop telling me that I am a Gujarati." Kajal Raghwani further writes, "After working in the Bhojpuri industry for 16 years, I will say one thing: if I hadn't embraced the people here, the soil here, or the industry, had I not considered it my own, then I wouldn't have been able to stay in the industry for so many years." If no one gives me work, please stop telling me that I'm from Gujarat. Am I playing the outsider victim card or trying to gain sympathy and get the job? And that too by crying. I don't believe it, but I'm definitely being made to feel it now, because you guys are from UP and Bihar.

Huma Qureshi is excited about her film "Bayan" being screened at IFFM; she reveals what attracted her the most.

Huma Qureshi's film "Bayan" will be screened at IFFM. The actress is excited about it. Find out what her role is in the film and its story. Bollywood's leading actress, Huma Qureshi, is in the news for her upcoming film emerged that her film "Bayan" will be Festival of Melbourne (IFFM) in expressed her excitement ahead of the written and directed by Vikas Ranjan festival's official lineup. It will present the most intriguing stories of the year. Australian premiere, Huma Qureshi challenging and emotionally satisfying be a part of." What is Huma's role in her character, "Roohi is a woman who pressure, and portraying her journey ways. What attracted me to this film investigation, but also the questions it justice." Huma is proud of the film's proud that 'Bayan' will be screened at Melbourne, a festival that has always hope audiences will connect with the leave the theater with something to What is the film's story? In 'Bayan,' police officer investigating her first well-known cult leader suspected of progresses, he faces uncooperative and the difficulties of achieving justice. This police procedural drama film was section of the 2025 Toronto world premiere was on September 6, 2025.

- "Toxic." Meanwhile, news has screened at the Indian Film Australia. Huma Qureshi premiere. This riveting Hindi film, Mishra, will be part of the Melbourne audiences with one of Speaking about the film's said, "'Bayan' is one of the most films I've had the opportunity to the film? The actress said about stands firm despite immense has pushed me as an actor in many was not just its gripping raises about power, truth, and premiere, saying, "I am very the Indian Film Festival of celebrated meaningful cinema. I film, join in the discussions, and think about for a long time." Huma plays Roohi, a determined major case. This case involves a sexual assault. As the investigation witnesses, institutional obstacles, When was the film released? - first screened in the Discovery International Film Festival. Its